द्वि मासिक सितम्बर-अक्टूबर, 2020

समसामयिकी घटनाचक्र

Samyak
An Institute For Civil Services

करेंट अफेयर्स

सितम्बर-अक्टूबर, 2020

• अंतरराष्ट्रीय • राष्ट्रीय • राजस्थान • सुजस सार • विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी • खेल जगत

सभी प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु उपयोगी

Samyak
An Institute For Civil Services

GET IT ON Google Play

1 अन्तरराष्ट्रीय घटनाक्रम

■ वैश्विक नवाचार सूचकांक-2020

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (World Intellectual Property Organization-WIPO) की ओर से 2 सितम्बर, 2020 को जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक- 2020 (Global Innovation Index-GII) में भारत को 48वां स्थान प्राप्त हुआ है, जिससे भारत पहली बार GII में शीर्ष 50 देशों के समूह में शामिल हो गया है। सूचकांक तैयार करते समय 131 देशों को शामिल किया गया।

शीर्ष स्थान प्राप्तकर्ता देश:-

देश	स्थान
स्विट्जरलैंड	1
स्वीडन	2
अमेरिका	3
ब्रिटेन	4
नीदरलैंड	5

निचले स्थान प्राप्तकर्ता देश:-

देश	स्थान
यमन	131
गिनी	130
म्यांमार	129
नाइजर	128
इथोपिया	127

यह भी जानें:- GII की शुरुआत वर्ष 2007 में ऐसे तरीकों को खोजने के उद्देश्य से हुई थी, जो समाज में नवाचार की समृद्धि को बेहतर ढंग से समझाने में समर्थ हों। इसका प्रकाशन प्रत्येक वर्ष कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, इन्सीड बिजनेस स्कूल और संयुक्त राष्ट्र के विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा किया जाता है। इस सूचकांक के अंतर्गत विश्व के तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नवाचार क्षमता और परिणामों के आधार पर रैंकिंग दी जाती है।

■ जर्मनी ने लॉन्च की हिन्द-प्रशान्त रणनीति

जर्मनी ने 2 सितम्बर, 2020 को भारत के साथ अपनी हिन्द-प्रशान्त रणनीति लॉन्च की। जर्मनी ने यह कदम इस क्षेत्र में व्यापार मार्गों को चीन से सुरक्षित करने के लिए उठाया है। जर्मनी हिन्द-प्रशान्त क्षेत्र के लिए औपचारिक रणनीति तय करने वाला फ्रांस के बाद दूसरा देश बन गया है। उल्लेखनीय है कि विश्व का 25 प्रतिशत समुद्री व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होता है।

■ विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance-ISA) द्वारा 8 सितंबर, 2020 को पहला विश्व सौर प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। इस वर्चुअल शिखर सम्मेलन में 149 देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन में सस्ती एवं टिकाऊ स्वच्छ हरित ऊर्जा में तेजी लाने के लिए भी चर्चा की गई।

सम्मेलन का उद्देश्य :-

1. सौर प्रौद्योगिकी की प्रमुख विशेषताओं (लागत, प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, चुनौतियां एवं चिंताएं) को प्रस्तुत करना और चर्चा करने के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाना। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन 'एक विश्व, एक सूर्य, एक ग्रिड' परियोजना का एक हिस्सा है।
2. सदस्य देशों को अत्याधुनिक एवं अगली पीढ़ी की सौर प्रौद्योगिकियों से परिचित कराना। साथ ही निर्णयकर्त्ताओं एवं हितधारकों के मिलने और अपनी प्राथमिकताओं एवं रणनीतिक एजेंडे पर चर्चा करने का अवसर भी प्रदान करना, जिससे और सहयोग बढ़ सके।

तीन समझौतों की घोषणा :-

1. ISA और अंतरराष्ट्रीय प्रशीतन संस्थान
2. ISA और ग्लोबल ग्रीन ग्रोथ इंस्टीट्यूट
3. ISA और नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन

■ बाल मृत्यु दर में स्तर और रुझान रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र की आईजीएमई (UN Intr-agencey group for child monility estimation) द्वारा 9 सितम्बर, 2020 को 'बाल मृत्यु दर में स्तर और रुझान रिपोर्ट 2020' जारी की गई। यह रिपोर्ट यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक समूह तथा यूएन डीईएसए (United nations department of economic and social affairs) के जनसंख्या प्रभाग द्वारा

तैयार की गई है। रिपोर्ट के अनुसार पांच वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों की वैश्विक मृत्यु दर वर्ष 1990 के 12.5 मिलियन से घटकर वर्ष 2019 में 5.2 मिलियन पर आ गई है। वर्ष 1990 में यह 1000 जीवित बच्चों पर 93 थी, जो वर्ष 2019 में 1000 जीवित बच्चों पर 38 रह गई है।

भारत की स्थिति:- भारत में वर्ष 1990 में पांच साल से कम आयु वर्ग में 1000 जीवित बच्चों पर मृत्युदर 126 थी, जो वर्ष 2019 में 1000 जीवित बच्चों पर 34 रह गई है।

■ हरिकेन नाना

हरिकेन 'नाना' 3 सितम्बर, 2020 को मध्य अमेरिकी देश बेलीज के तट से टकराया। इसकी गति 75 मील प्रति घंटा थी। हरिकेन या उष्णकटिबंधीय चक्रवात को सैफिर-सिंपसन विंड स्केल के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। इसमें हवा की गति के आधार पर 1 से 5 तक की रेटिंग दी जाती है। यह वर्ष 2020 के अटलांटिक हरिकेन मौसम का पांचवा हरिकेन है। अटलांटिक हरिकेन मौसम की अवधि 1 जून से 30 नवम्बर के मध्य होती है।

■ टाइफून हैशेन

टाइफून 'हैशेन' ने अगस्त-सितम्बर, 2020 में जापान एवं इसके आस-पास के क्षेत्र में जन-धन को काफी क्षति पहुंचाई। 'ज्वाइंट टाइफून वार्निंग सेंटर' के अनुसार, टाइफून हैशेन को श्रेणी-4 के अंतर्गत रखा गया है क्योंकि इस तूफान में हवाओं की गति लगभग 230 किमी./घंटा थी।

■ हरिकेन 'सैली'

हरिकेन सैली 13 सितम्बर, 2020 को संयुक्त राज्य अमेरिका के लुसियाना के तट से टकराया। इसकी गति 90 मील प्रति घंटा रही, जिससे जनजीवन काफी प्रभावित हुआ।

■ टाइम पत्रिका में 100 प्रभावशाली व्यक्ति

टाइम मैगजीन ने सितम्बर, 2020 में विश्व के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की है। वर्ष 2020 के लिए जारी इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना, एचआईवी पर शोध करने वाले डॉ. रविंदर गुप्ता, शाहीन बाग विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा रही बिल्किस बानो और भारतीय मूल के गूगल के सीईओ सुन्दर पिचाई को शामिल किया गया है। अमेरिकी साप्ताहिक समाचार पत्रिका टाइम द्वारा जारी की जाने वाली इस वार्षिक सूची में अग्रणी नेताओं, अभिनेताओं और प्रतिष्ठित लोगों को शामिल किया जाता है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में समाज को प्रभावित किया है।

■ यूएन सुरक्षा परिषद में भारत की जीत

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) ने पाकिस्तान द्वारा दो भारतीय नागरिकों (अंगारा अप्पाजी और गोविंद पटनायक) को 'यूएनएससी 1267 प्रतिबंध समिति' के तहत आतंकवादी घोषित किए जाने के प्रयास को 2 सितम्बर, 2020 को रद्द कर दिया।

पाकिस्तान का आरोप:- पाकिस्तान ने इन दो भारतीय नागरिकों पर चार सदस्यीय अफगानिस्तान आधारित 'भारतीय आतंकी सिंडिकेट' का हिस्सा होने का आरोप लगाया था। पाकिस्तान के अनुसार, ये भारतीय नागरिक प्रतिबंधित आतंकी समूहों 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' और 'जमात-उल-अहरार' को पाकिस्तान में हमले करने के लिए संगठित कर रहे थे।

'यूएनएससी 1267 प्रतिबंध समिति':- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की '1267 प्रतिबंध समिति' को 'अल कायदा प्रतिबंध समिति' या 'आईएसआईएल' के नाम से भी जाना जाता है। इस समिति की स्थापना संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव-1267 (वर्ष 1999) के आधार पर की गई थी। इसमें UNSC के सभी 15 सदस्य शामिल होते हैं और सर्वसम्मति से अपना निर्णय लेते हैं। यह समिति प्रतिबंधों के कार्यान्वयन पर सुरक्षा परिषद को वार्षिक रिपोर्ट देती है।

■ भारत-जापान लॉजिस्टिक्स समझौता

भारत और जापान ने भारत के सशस्त्र बलों तथा जापान के आत्मरक्षा बलों के मध्य आपूर्ति और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान (Mutual Logistics Support Arrangement-MLSA) के अनुबंध पर 9 सितम्बर, 2020 में हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता 10 वर्ष तक लागू रहेगा। भारत इससे पूर्व अमेरिका, फ्रांस और सिंगापुर के साथ इस प्रकार के समझौते कर चुका है।

उद्देश्य:- द्विपक्षीय प्रशिक्षण गतिविधियों, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के ऑपरेशन, मानवतावादी अंतरराष्ट्रीय राहत और पारस्परिक रूप से सहमत अन्य गतिविधियों में संलग्न रहते हुए आपूर्ति और सेवाओं के परस्पर प्रावधान से दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच घनिष्ठ सहयोग के लिए एक सक्षम ढांचे की स्थापना की जा सकेगी। अनुबंध में सम्मिलित आपूर्ति और सेवाओं में भोजन, पानी, परिवहन (एयरलिफ्ट भी सम्मिलित), पेट्रोलियम, कपड़े, संचार, चिकित्सा सेवाएं, सुविधाओं और घटकों का उपयोग एवं मरम्मत तथा रख-रखाव सेवाएं आदि सम्मिलित हैं।

■ यूएन महिला स्थिति आयोग में भारत सदस्य

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के महिला स्थिति आयोग (CSW) में भारत को सदस्य के रूप में चुना गया है। भारत का यह कार्यकाल चार वर्ष (2021-24) का होगा। उल्लेखनीय है कि एशिया पेसिफिक क्षेत्र की दो सीटों के लिए 14 सितम्बर को हुए चुनाव में भारत, चीन और अफगानिस्तान ने हिस्सा लिया था, जिसमें भारत और अफगानिस्तान ने जीत हासिल की।

यह भी जानें:-54 सदस्यीय CSW की स्थापना संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद के प्रस्ताव द्वारा 21 जून, 1946 को हुई थी। यह संस्था स्त्री-पुरुष समानता और महिला सशक्तीकरण के लिए कार्य करती है।

■ अब्राहम एकॉर्ड

खाड़ी क्षेत्र के दो देशों बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने 15 सितम्बर, 2020 को इजराइल के साथ 'अब्राहम एकॉर्ड' पर हस्ताक्षर किए हैं। यह इजराइल और अरब देशों के बीच पिछले 26 वर्षों में पहला शांति समझौता है। इससे पहले वर्ष 1994 में इजराइल और जॉर्डन के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहल पर यह समझौता वाशिंगटन में हस्ताक्षरित किया गया।

समझौते में खास :-

1. यूएई और बहरीन द्वारा इजराइल में अपने दूतावास स्थापित करने के साथ पर्यटन, व्यापार, स्वास्थ्य और सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा।

2. इजराइल ने वेस्ट बैंक की बस्तियों को इजराइल में जोड़ने की अपनी योजना को 'स्थगित' कर दिया है।

3. इजराइल में ऐतिहासिक स्थलों का दौरा करने और येरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद (इस्लाम में तीसरा सबसे पवित्र स्थल) में शांतिपूर्वक प्रार्थना करने का रास्ता साफ होगा।

■ मानव पूंजी सूचकांक

विश्व बैंक की ओर से 16 सितम्बर, 2020 को 'मानव पूंजी सूचकांक' के नवीनतम आंकड़े जारी किए गए। 174 देशों को लेकर तैयार इस सूचकांक में बच्चों के जीवित रहने की संभावना, स्वास्थ्य तथा शिक्षा जैसे मानकों को आधार बनाया गया है। सूचकांक में भारत को 0.49 स्कोर के साथ 116वां स्थान प्रदान किया गया है।

शीर्ष स्थान प्राप्तकर्ता देश:-

देश	स्थान
सिंगापुर	1
हांगकांग एसएआर, चीन	2
जापान	3
रिपब्लिक ऑफ कोरिया	4
कनाडा	5

निम्न स्थान प्राप्तकर्ता देश :-

देश	स्थान
सेन्ट्रल अफ्रीकन रिपब्लिकन	174
चाड	173
दक्षिण सूडान	172
नाइजर	171
माली	170

■ जिबूती आचार संहिता

जिबूती आचार संहिता (Djibouti Code of Conduct-DCOC) को पश्चिमी हिंद महासागर और अदन की खाड़ी में समुद्री चोरी और सशस्त्र डकैती को रोकने के विषय से संबंधित एक आचार संहिता के रूप में जाना जाता है। पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र, अदन की खाड़ी और लाल सागर में समुद्री जहाजों पर होने वाली चोरी और सशस्त्र डकैती का मुकाबला करने के लिए जिबूती आचार संहिता को 29 जनवरी 2009 को अपनाया गया था।

चर्चा में क्यों :- हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से जिबूती आचार संहिता में भारत बतौर पर्यवेक्षक शामिल हुआ है।

■ भारत-फिनलैंड के बीच समझौता ज्ञापन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भू-विज्ञान और खनिज संसाधनों के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए खान मंत्रालय के तहत भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) तथा फिनलैंड के रोजगार और आर्थिक मंत्रालय के तहत फिनलैंड भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के बीच समझौता ज्ञापन को मंजूरी दी है। यह समझौता ज्ञापन भू-विज्ञान, प्रशिक्षण, खनिज पूर्वानुमान और उपयुक्तता विश्लेषण, 3D और 4D मॉडलिंग, भूकंपीय एवं अन्य भू-भौतिकीय सर्वेक्षणों आदि क्षेत्रों में दोनों संगठनों के बीच वैज्ञानिक सहयोग को मजबूत करने में मदद करेगा।

उद्देश्य :- इसका उद्देश्य परस्पर आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय लाभ के लिए प्रतिभागियों के बीच भू-विज्ञान एवं खनिज संसाधन के क्षेत्रों में अन्वेषण तथा खनन को बढ़ावा देने, भू-वैज्ञानिक डेटा प्रबंधन और सूचना प्रसार पर अनुभव साझा करने हेतु एक फ्रेमवर्क और मंच प्रदान करना है।

■ भारत-डेनमार्क हरित रणनीति साझेदारी

भारत और डेनमार्क ने दूरगामी लक्ष्यों वाली 'हरित रणनीतिक साझेदारी' के रूप में एक नए युग की शुरुआत की है। यह कदम भारत को जलवायु परिवर्तन एवं अन्य वैश्विक समस्याओं से संबंधित स्थायी समाधान तलाशने में सहायता कर सकता है।

यह भी जानें:- हरित रणनीतिक साझेदारी 'पेरिस समझौते' और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित 'सतत् विकास लक्ष्यों' के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ राजनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने, आर्थिक संबंधों और हरित विकास का विस्तार करने, रोजगार सृजन और वैश्विक चुनौतियों एवं अवसरों के समाधान में सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक पारस्परिक समझौता है।

■ भारत-अमेरिका के बीच 2+2 वार्ता

भारत और अमेरिका के बीच 27 सितम्बर, 2020 को तीसरी 2+2 वार्ता का आयोजन नई दिल्ली में किया गया। भारत का नेतृत्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने, जबकि अमेरिका का नेतृत्व वहां के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो और रक्षा मंत्री मार्क एस्पर ने किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहित पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

■ क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक

चार देशों के समूह 'क्वाड' के विदेश मंत्रियों की बैठक 6 अक्टूबर, 2020 को जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित हुई। 'क्वाड' में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत शामिल हैं। बैठक में कोविड-19 के बाद अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और चुनौतियों से निपटने के समन्वित प्रयासों पर विचार-विमर्श किया गया तथा क्षेत्रीय मुद्दों व मुक्त और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के महत्व पर भी हुई। क्वाड विदेश मंत्रियों की यह दूसरी बैठक थी। इससे पहले वर्ष 2019 में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर हुई थी।

■ वैश्विक भुखमरी सूचकांक-2020

आयरलैंड के कंसर्न वर्ल्डवाइड व जर्मनी के वेलथुंगरहाइल्फ नामक गैर सरकारी संगठन ने 12 अक्टूबर, 2020 को 'वैश्विक भुखमरी सूचकांक-2020 (Global Hunger Index)' जारी किया है। 107 देशों को लेकर जारी इस सूचकांक में भारत को 94वां स्थान दिया गया है। सूचकांक में 17 देशों को संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान प्रदान किया गया है, जिनका स्कोर 05 से कम है।

शीर्ष स्थान प्राप्तकर्ता देश:- रोमानिया, मोंटेनिग्रो, लिथुआनिया, लाटविया, कुवैत, एस्टोनिया, क्यूबा, क्रोएशिया, कोस्टारिका, चीन, चिली, ब्राजील, बोस्निया एंड एर्जगोविना तथा बेलारूस।

निम्नस्थ पांच देश:- चाड, तिमोर-लेस्ते, मेडागास्कर, हैती, मोजाम्बिक।

ये रहे आधार:- यह सूचकांक निम्न चार मानकों पर तैयार किया गया है-1. अल्पपोषण, 2. बाल दुबलापन, 3. बाल ठिगनापन, 4. बाल मृत्यु दर। सूचकांक तैयार करते समय देशों को 100 में से अंक दिए गए हैं, जिसमें शून्य को सबसे अच्छा स्कोर माना गया है।

■ अन्तरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का तीसरा सम्मेलन

अन्तरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA) के तीसरे सम्मेलन का आयोजन वर्चअल माध्यम से 14-16 अक्टूबर, 2020 को किया गया। सम्मेलन में 34 देशों के मंत्रियों ने भाग लिया। सम्मेलन में भारत और फ्रांस को दो वर्ष के कार्यकाल के लिए ISA का अध्यक्ष और सह अध्यक्ष चुना गया। सम्मेलन में 'कोअलिशन फॉर सस्टेनेबल क्लाइमेट एक्शन' के माध्यम से निजी एवं सार्वजनिक कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ ISA की भागीदारी को संस्थागत बनाने के लिए ISA सचिवालय की पहल को मंजूरी दी गई।

ISA:- यह भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा 30 नवंबर, 2015 को फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित कोप-21 के दौरान शुरू की गई पहल है। इसका उद्देश्य सदस्य देशों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख चुनौतियों का साथ मिलकर समाधान निकलना, वित्तीय लागत एवं प्रौद्योगिकी लागत को कम करने के लिए आवश्यक संयुक्त प्रयास करना, बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा उत्पाद के लिए आवश्यक निवेश जुटाना तथा भविष्य की प्रौद्योगिकी के लिए उचित मार्ग तैयार करना है।

ISA का पहला सम्मेलन 2 से 5 अक्टूबर, 2018 में ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया था। उसका उद्घाटन भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा किया गया था। दूसरे सम्मेलन का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 2019 तक नई दिल्ली में किया गया। इस सम्मेलन में 78 देशों ने भाग लिया था।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

12वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन 17 अक्टूबर, 2020 को वर्चुअल रूप से किया गया। यह सम्मेलन 21-23 जुलाई, 2020 को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित किया जाना था, लेकिन कोविड-19 के चलते यह स्थगित कर दिया गया था। सम्मेलन का विषय 'वैश्विक स्थिरता के लिए ब्रिक्स भागीदारी, साझा सुरक्षा और नवीन विकास' था।

भारत-नीदरलैंड के बीच समझौता

भारत के नीति आयोग और नई दिल्ली स्थित नीदरलैंड के दूतावास ने स्वच्छ और अधिक ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए डी-कार्बोनाइजेशन और ऊर्जा संक्रमण एजेंडा का समर्थन करने हेतु स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट (Statement of Intent-SOI) पर हस्ताक्षर किए हैं। नीदरलैंड के राजदूत के अनुसार, यह SOI न केवल दो देशों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा, बल्कि संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) को हासिल करने में भी सहायता करेगा।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार के अनुसार, कम कार्बन तकनीकों में डच विशेषज्ञता के साथ संयुक्त रूप से लागत-प्रभावी तरीके से उच्च-तकनीकी समाधानों को तैयार करने में भारत की विशेषज्ञता आगे इंडो-डच सहयोग को ठोस बनाने में मदद करेगी। ये दोनों देश डी-कार्बोनाइजेशन और ऊर्जा संक्रमण एजेंडा प्राप्त करने की दिशा में सफलतापूर्वक काम करेंगे।

हरिकेन डेल्टा

हरिकेन डेल्टा ने 8 अक्टूबर, 2020 को संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी-पश्चिमी लुसियाना क्षेत्र में जन-धन का नुकसान किया। तूफान की गति 169 किमी. प्रति घंटा रही।

भारत-कंबोडिया के बीच समझौता

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और कंबोडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर को अक्टूबर, 2020 में मंजूरी दी है। यह समझौता ज्ञापन स्वास्थ्य क्षेत्र में संयुक्त पहल और प्रौद्योगिकी विकास के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगा। यह 5 वर्ष की अवधि के लिए लागू होगा।

टाइफून मोलावे

टाइफून मोलावे ने अक्टूबर, 2020 में मध्य वियतनाम में भारी जन-धन की हानि की। मोलावे वियतनाम में पिछले दो दशकों में आया सबसे बड़ा तूफान है। वियतनाम पहुंचने से पहले टाइफून मोलावे फिलीपींस से गुजरा था, जहां इसके कारण आई बाढ़ और भू-स्खलन में कम-से-कम 16 लोगों की मौत हो गई।

चर्चित स्थान

सित्तवे बंदरगाह

भारत पूर्वोत्तर के राज्यों से संपर्क मजबूत करने के लिए म्यांमार के सित्तवे बंदरगाह को विकसित कर रहा है। इस बंदरगाह की सहायता से मिजोरम और मणिपुर समेत पूर्वोत्तर के अधिकतर राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह बंदरगाह म्यांमार के रखाइन प्रांत में स्थित है।

चर्चा में क्यों:-सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे और विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने अक्टूबर, 2020 में म्यामांर यात्रा के दौरान स्टेट काउंसलर 'आंग सान सू की' और कमांडर इन चीफ ऑफ डिफेंस सर्विसेज सीनियर जनरल मिन आंग हलिंग से मुलाकात की। इस दौरान भारत और म्यांमार ने वर्ष 2021 की प्रथम तिमाही तक सित्तवे बंदरगाह के परिचालन को प्रारंभ करने पर सहमति जताई है।

न्यू कैलेडोनिया

दक्षिणी प्रशांत महासागर में अवस्थित फ्रांसीसी उपनिवेश 'न्यू कैलेडोनिया' में 4 अक्टूबर, 2020 को हुए जनमत संग्रह में 53.25% लोगों ने फ्रांस से अलग न होने का समर्थन किया है। यह जनमत संग्रह वर्ष 1998 में स्थानीय संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए किए गए 'नौमिया समझौते' का हिस्सा है। न्यू कैलेडोनिया खनिज संसाधनों में समृद्ध माना जाता है। विश्व में ज्ञात कुल निकल धातु भंडार का लगभग 10% न्यू कैलेडोनिया में मौजूद है।

यह भी जानें:- वर्ष 1774 में ब्रिटिश खोजकर्त्ता जेम्स कुक ने स्कॉटलैंड के लैटिन नाम 'कैलेडोनिया' के आधार पर इस द्वीप को न्यू कैलेडोनिया का नाम दिया। वर्ष 1853 में फ्रांस के शासक 'नेपोलियन तृतीय' ने 'न्यू कैलेडोनिया' को जीत लिया और कई दशकों तक इसका प्रयोग एक जेल कालोनी के रूप में किया जाता रहा। वर्ष 1998 के 'नौमिया समझौते' के तहत 'न्यू कैलेडोनिया' में एक चरणबद्ध तरीके से स्थानीय स्वशासन की स्थापना और सत्ता के हस्तांतरण हेतु रूपरेखा तैयार की गई। इसके साथ ही स्वतंत्रता के लिए वर्ष 1998 में प्रस्तावित जनमत संग्रह को विलंबित कर दिया गया।

■ माउंट किलिमंजारो

तंजानिया में अवस्थित माउंट किलिमंजारो अफ्रीका महाद्वीप का सबसे ऊंचा (5,895 मीटर) पर्वत है। माउंट किलिमंजारो पूर्वी अफ्रीका में तंजानिया के उत्तर-पूर्व में लगभग भूमध्य रेखा पर अवस्थित है।

चर्चा में क्यों:- अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो हाल ही में भयानक आग का सामना करने के कारण चर्चा में है।

चर्चित व्यक्ति

■ नूर इनायत खान

दूसरे विश्व युद्ध में ब्रिटेन की ओर से जासूसी करने वाली भारतीय मूल की नूर इनायत खान को प्रतिष्ठित 'ब्लू प्लाक' से सम्मानित किया गया है। 'ब्लू प्लाक' ब्रिटेन में एक सार्वजनिक स्थान पर स्थापित एक स्थायी संकेत होता है, जो कि उस स्थान और किसी प्रसिद्ध ऐतिहासिक व्यक्ति या घटना आदि के बीच संबंध को दर्शाता है।

यह भी जानें:- 1914 में मॉस्को में जन्मी नूर इनायत खान की माता अमेरिकी मूल की थीं, जबकि उनके पिता भारतीय मूल के थे। वे नाजियों के कब्जे वाले फ्रांस में अंडरकवर एजेंट के तौर पर कार्य करने वाली पहली महिला रेडियो ऑपरेटर थीं।

■ मैथ्यू हेडन

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन को ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ व्यापार संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए 'व्यापार दूत' नियुक्त किया है। उनके साथ-साथ भारतीय मूल की राजनेता लीसा सिंह को भी व्यापार दूत नियुक्त किया गया है।

■ सूरोनवे जीनबेकोव

किर्गिजस्तान के राष्ट्रपति सूरोनबे जीनबेकोव ने विरोध -प्रदर्शन के बीच अक्टूबर, 2020 में इस्तीफा दे दिया है। सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य समेत तमाम क्षेत्रों में कोई प्रगति नहीं होने का आरोप लगाते हुए किर्गिजस्तान की जनता के बीच असंतोष पैदा हो गया था। इसी बीच वहां संसदीय चुनाव आयोजित किए गए और विपक्षी दलों ने सूरोनबे जीनबेकोव पर चुनावी प्रक्रिया के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया। इसके बाद जीनबेकोव ने इस्तीफा दे दिया।

नियुक्ति

■ मुस्तफा अदीब

जर्मनी में लेबनान के राजदूत मुस्तफा अदीब को लेबनान का नया प्रधानमंत्री नामित किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसन दियाब ने लेबनान की राजधानी बेरुत में हुए विस्फोट के बाद इस्तीफा दे दिया था, जिसमें 200 लोगों की मृत्यु हो गई थी और लगभग 6000 लोग घायल हुए थे।

■ योशीहिदे सुगा

जापान के सत्तारूढ़ दल लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के योशीहिदे सुगा ने 16 सितम्बर, 2020 को जापान के प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने इस पद पर शिंजो आबे का स्थान लिया है जिन्होंने बीते माह स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इस्तीफा दे दिया था।

यह भी जानें:- जापान का सम्राट राज्य का प्रमुख होता है और प्रधानमंत्री, सरकार एवं मंत्रिमंडल का प्रमुख होता है। सम्राट के पास नाममात्र के औपचारिक अधिकार होते हैं। प्रधानमंत्री को 'नेशनल डाइट' द्वारा नामित किया जाता है किंतु केवल जापानी सम्राट को ही प्रधानमंत्री नियुक्त करने का अधिकार है।

■ श्रीकांत दातार

भारतीय मूल के प्रसिद्ध शिक्षाविद और अर्थशास्त्री श्रीकांत दातार को हार्वर्ड बिजनेस स्कूल का नया डीन नियुक्त किया गया है। भारत में जन्मे श्रीकांत दातार प्रतिष्ठित हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के 112 वर्ष के इतिहास में 11वें डीन हैं और वे 1 जनवरी, 2021 से पदभार ग्रहण करेंगे।

■ विशर अल-खासवाहनेह

बिशर अल-खासवाहनेह ने 7 अक्टूबर, 2020 को जार्डन के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने इस पद पर उमर अल-रज्जाज का स्थान लिया है।

■ इमोमाली रहमान

मध्य एशियाई देश ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान अक्टूबर, 2020 में इस पद के लिए पुनः चुने गए हैं। रहमान का कार्यकाल सात वर्ष का होगा। सोवियत संघ के विघटन के उपरांत रहमान वर्ष 1992 से ही ताजिकिस्तान की सत्ता पर काबिज हैं।

■ जेसिंडा आर्डर्न

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न इस पद पर पुनः निर्वाचित हुई हैं। उन्होंने 17 अक्टूबर, 2020 को हुए चुनाव में जीत हासिल की। जैसिंडा अर्डर्न वर्ष 2017 में न्यूजीलैंड की 40वीं प्रधानमंत्री बनी थीं और तभी से वे लेबर पार्टी का नेतृत्त्व भी कर रही हैं।

निधन

■ सबाह अल अहमद

कुवैत के शासक शेख सबाह अल अहमद (91) का 29 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया है। अहमद ने 29 जनवरी, 2006 को कुवैत के शासक या अमीर का पद संभाला था। शेख सबाह अल अहमद, अल सबाह वंश के 15वें शासक और कुवैत की आजादी के बाद 5वें शासक थे।

पुरस्कार

■ मारिके लुकास रिजनेवेल्ड को बुकर पुरस्कार

नीदरलैंड्स की लेखिका मारिके लुकास रिजनेवेल्ड को वर्ष 2020 के 'इंटरनेशनल बुकर प्राइज' से सम्मानित किया गया है। वे यह पुरस्कार जीतने वाली सबसे कम उम्र की लेखिका हैं। रिजनेवेल्ड को यह पुरस्कार उनकी पुस्तक 'द डिसकम्फर्ट ऑफ इवनिंग' के लिए प्रदान किया गया है। यह पुस्तक पहली बार डच में वर्ष 2018 में प्रकाशित हुई थी, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद मिशेल हचिसन ने किया है। पुरस्कार राशि 50 हजार पाउण्ड दोनों में साझा की जाएगी। वर्ष 2019 का यह पुरस्कार ओमान की जोखा अल्हार्थी को 'सेलेस्टियल बॉडीज' के लिए दिया गया था।

■ राइट लावलीहुड अवॉर्ड-2020

वैकल्पिक नोबेल पुरस्कार के नाम से अभिभूषित 'राइट लावलीहुड अवॉर्ड-2020' की घोषणा 1 अक्टूबर, 2020 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में की गई।

इन्हें मिला अवॉर्ड:- 1. नसरीन सोतोयुडेह (ईरान) को मानवाधिकारों के क्षेत्र में योगदान के लिए, 2. ब्रायन स्टीवेंसन (यूएसए) को आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार एवं नस्लीय सुलह के प्रयासों के लिए, 3. लोट्टी कनिंघम रेन (निकारागुआ) को स्वेदशी भूमि और समुदायों को शोषण से बचाने में योगदान के लिए, 4. एलेस बालियात्स्की (बेलारूस) मानवाधिकारों के लिए उनके योगदान के लिए।

■ नोबेल पुरस्कार

वर्ष 2020 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा 5-12 अक्टूबर, 2020 के दौरान की गई। द नॉर्वेजियन नोबेल इंस्टीट्यूट द्वारा नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा ओस्लो (नार्वे) में की गई, जबकि कैरालिस्का इंस्टीट्यूट की नोबेल असेम्बली द्वारा अन्य सभी पुरस्कारों की घोषणा पूर्व की भांति स्टॉकहोम में की गई।

चिकित्सा:- अमेरिकी वैज्ञानिक हार्वे जे ऑल्टर एवं चार्ल्स एम. राइस और ब्रिटिश वैज्ञानिक माइकल ह्यूटन को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। 'हेपेटाइटिस-सी' वायरस की खोज के लिए।

भौतिकी:- यूके के रोजर पेनरोज, यूएसए के रेनहार्ड गेनजेल और एंड्रिया गेज को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। ब्लैक होल की हमारी समझ को आगे बढ़ाने के लिए।

रसायन विज्ञान:- फ्रांस की इमैनुएल चार्पेंटियर और अमेरिका की जेनिफर ए डौडना को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। जीनोम एडिटिंग हेतु उपकरण की खोज के लिए।

साहित्य:- संयुक्त राज्य अमेरिका की कवयित्री लुईस ग्लूक को प्रदान किया गया। 'उनके अचूक काव्यात्मक स्वर जो खूबसूरती के साथ व्यक्तिगत अस्तित्व को सार्वभौमिक बनाता है', के लिए।

शांति:- विश्व खाद्य कार्यक्रम को प्रदान किया गया। भुखमरी से निपटने के प्रयासों, संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों में शांति के लिए योगदान और युद्ध एवं संघर्ष के हथियार के रूप में भूख के उपयोग को रोकने के लिए।

अर्थशास्त्र:- अमेरिकी अर्थशास्त्री पॉल मिल्ग्रॉम एवं रॉबर्ट विल्सन को प्रदान किया गया। नीलामी सिद्धांत में सुधार और नए नीलामी प्रारूपों के आविष्कार के लिए।

■ अर्थशॉट पुरस्कार

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और ड्यूक ऑफ कैंब्रिज ने एक नया 50 मिलियन पाउंड का अर्थशॉट पुरस्कार लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य विश्व की कुछ सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों के लिए सबसे नवीन समाधानों का वित्त पोषण करना है। पहला पुरस्कार समारोह वर्ष 2021 में लंदन में आयोजित होगा।

10 मिलियन पाउंड के प्रत्येक पांच पुरस्कार अगले 10 वर्षों के लिए प्रत्येक वर्ष प्रदान किए जाएंगे। ये पुरस्कार उन लोगों को प्रदान किए जाएंगे जो वर्ष 2030 तक दुनिया की सबसे गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं के कम-से-कम 50 समाधान प्रस्तुत करेंगे।

■ नानसेन शरणार्थी पुरस्कार

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी द्वारा कोलम्बिया युवा कार्यकर्त्री मेयर्लिन वेरगारा पेरेज को 5 अक्टूबर, 2020 को 'नानसेन शरणार्थी पुरस्कार' प्रदान किया गया। पुरस्कार स्वरूप उन्हें डेढ़ लाख अमेरिकी डॉलर और स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

■ अन्तरराष्ट्रीय सौर गठबंधन पुरस्कार

अन्तरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance) का तीसरा सम्मेलन वर्चअल रूप से 14-16 अक्टूबर, 2020 को आयोजित किया गया। इस दौरान निम्न तीन श्रेणियों में पुरस्कारों का वितरण किया गया-

विश्वेश्वरैया पुरस्कार:- यह पुरस्कार एशिया-प्रशान्त क्षेत्र के लिए जापान और यूरोप व अन्य क्षेत्रों के लिए नीदरलैण्ड को प्रदान किया गया। अधिकतम सौर क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए।

कल्पना चावला पुरस्कार:- यह पुरस्कार आईआईटी, दिल्ली के भीम सिंह और दुबई बिजली एवं जल प्राधिकरण, यूएई के डॉ. आयशा अलनुआमी को प्रदान किया गया। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए।

दिवाकर पुरस्कार:- यह पुरस्कार अर्पण इंस्टीट्यूट, हरियाणा और आरुषि सोसायटी को प्रदान किया गया। ऐसे दिव्यांग लोगों के हितों की रक्षा के लिए जिन्होंने सौर ऊर्जा के उपयोग को काफी बढ़ाया है।

चर्चित पुस्तकें

द डिसकम्फर्ट ऑफ इवनिंग - मारिके लुकास रिजनेवेल्ड

द प्रोमिस्ड लैण्ड - बराक ओबामा

लैट अस ड्रीम: द पाथ टू ए बेटर फ्यूचर - पोप फ्रांसिस

द खालिस्तान कॉन्सपेरेंसी - जी.बी.एस. सिद्धू

द बेटल ऑफ बिलॉन्गिंग - शशि थरूर

प्रमुख दिवस/सप्ताह/वर्ष

सितम्बर

01-07	सितम्बर	- राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
05	सितम्बर	- शिक्षक दिवस/अन्तरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस
8	सितम्बर	- अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस
14	सितम्बर	- हिंदी दिवस
15	सितम्बर	- अंतररराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस
16	सितम्बर	- विश्व ओजोन दिवस
18	सितम्बर	- विश्व बांस दिवस/विश्व जल निगरानी दिवस
21	सितबर	- अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस
24	सितम्बर	- विश्व समुद्री दिवस
27	सितम्बर	- विश्व पर्यटन दिवस
29	सितम्बर	- विश्व हृदय दिवस

अक्टूबर

01	अक्टूबर	- वृद्ध व्यक्तियों का अंतरराष्ट्रीय दिवस/राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस
08	अक्टूबर	- भारतीय वायु सेना दिवस
9-15	अक्टूबर	- राष्ट्रीय डाक सप्ताह
09	अक्टूबर	- विश्व डाक दिवस
10	अक्टूबर	- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
14	अक्टूबर	- विश्व मानक दिवस
20	अक्टूबर	- विश्व सांख्यिकी दिवस
21	अक्टूबर	- पुलिस स्मृति दिवस
24	अक्टूबर	- संयुक्त राष्ट्र दिवस/विश्व पोलियो दिवस
30	अक्टूबर	- विश्व मितव्ययता दिवस
31	अक्टूबर	- राष्ट्रीय एकता दिवस

❑❑❑

2 राष्ट्रीय घटनाक्रम

■ किसान रेल सेवा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 09 सितम्बर, 2020 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए देश की दूसरी और दक्षिण भारत की पहली किसान रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन से माध्यम से आंध्रप्रदेश के अनंतपुर से दिल्ली के आदर्श नगर रेलवे स्टेशन तक कृषि उत्पादों की ढुलाई की जाएगी। किसान रेल का प्रयोग फल-सब्जियों, मछली-मांस और दूध जैसी जल्द खराब होने वाली वस्तुओं के परिवहन के लिए किया जाएगा। ध्यातव्य है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्तीय वर्ष के बजट में किसान रेल चलाने की घोज़णा की थी

■ हि.प्र. नई शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला राज्य

हिमाचल प्रदेश नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य सरकार ने सितम्बर, 2020 में इस सम्बन्ध में घोषणा की।

■ केरल में चिकित्सा उपकरण पार्क

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 24 सितम्बर, 2020 को तिरुवनंतपुरम जिले के थोनक्कल में देश के पहले चिकित्सा उपकरण पार्क का शिलान्यास किया। यह उच्च जोखिम वाले चिकित्सकीय उपकरणों पर आधारित है। इस पार्क का उद्देश्य चिकित्सकीय उपकरण उद्योग को अनुसंधान एवं विकास, परीक्षण एवं मूल्यांकन जैसी सेवाओं की एक पूर्ण श्रृंखला उपलब्ध कराना है।

■ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग

देश में चिकित्सा शिक्षा और व्यवसाय के शीर्ष नियामक के तौर पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (National Medical Commission-NMC) 25 सितम्बर, 2020 को अस्तित्त्व में आ गया। इस आयोग ने भारतीय चिकित्सा परिषद का स्थान लिया है। NMC की स्थापना मुख्यत: चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने के लिए की गई है।

■ साक्षरता दर में केरल शीर्ष पर

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा 'राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 75वें दौर' के तहत जुलाई, 2017 से जून, 2018 के बीच 'पारिवारिक सामाजिक उपभोग: भारत में शिक्षा' नामक रिपोर्ट 7 सितम्बर, 2020 को जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में साक्षरता दर के मामले में केरल 96.2 प्रतिशत के साथ शीर्ष स्थान पर है, जबकि 66.4 प्रतिशत के साथ आन्ध्र प्रदेश सबसे निचले स्थान पर रहा।

देश की साक्षरता दर (7 वर्ष से ऊपर का आयुवर्ग):-

क्षेत्र	पुरुष	महिला	व्यक्ति
ग्रामीण	81.5	65.0	73.5
शहरी	92.2	82.8	87.7
कुल	84.7	70.3	77.7

शीर्ष 5 साक्षर राज्य:-

राज्य	साक्षरता दर
केरल	96.2
दिल्ली	88.7
उत्तराखंड	87.6
हिमाचल प्रदेश	86.6
असम	85.9

सबसे कम साक्षर 5 राज्य:-

राज्य	साक्षरता दर
आन्ध्र प्रदेश	66.2
राजस्थान	69.7
बिहार	70.9
तेलंगाना	72.8
उत्तर प्रदेश	73

■ संस्कृत ग्राम

उत्तराखंड के दो गांवों के निवासियों को संस्कृत सिखाने के लिए पायलट कार्यक्रम में प्रगति के बाद उत्तराखंड सरकार ने राज्य भर में 'संस्कृत ग्राम' विकसित करने का निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड में संस्कृत दूसरी आधिकारिक भाषा है।

■ बिहार विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग ने 25 सितम्बर, 2020 को बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। विधानसभा का कार्यकाल 29 नवम्बर, 2020 को समाप्त हो रहा है।

कुल सीटें - 243

मतदान तिथि - 28 अक्टूबर, 3 नवम्बर, 7 नवम्बर

मतगणना - 10 नवम्बर

■ भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कानून (संशो.) विधेयक-2020

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कानून (संशोधन) विधेयक 2020 संसद में सितम्बर, 2020 में पारित किया गया। यह विधेयक 'भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान कानून अधिनियम, 2014' और 'भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) अधिनियम, 2017' के प्रमुख प्रावधानों में संशोधन करता है।

प्रमुख बिन्दुः- यह विधेयक सूरत, भोपाल, भागलपुर, अगरतला तथा रायचूर स्थित पांच भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईआईटी) को पीपीपी मोड में राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान के रूप में घोषित करता है।

■ भारतीय अन्तरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

गोवा में 20-28 नवम्बर, 2020 को आयोजित होने वाले भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) के 51वें संस्करण को अगले वर्ष जनवरी माह तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। देश में कोरोना वायरस के तीव्र प्रसार के मद्देनजर यह निर्णय किया गया है।

■ राष्ट्रीय जांच अभिकरण

गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (National Investigation Agency-NIA) की तीन अतिरिक्त शाखाओं को इम्फाल, चेन्नई और रांची में स्थापित करने की मंजूरी दी है। वर्तमान में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की कुल नौ शाखाएं हैं, जो कि गुवाहाटी, मुंबई, जम्मू, कोलकाता, हैदराबाद, कोच्चि, लखनऊ, रायपुर और चंडीगढ़ में स्थित हैं, इसके अलावा इस विशेष सुरक्षा इकाई का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। इसका वास्तविक नाम राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण है, जिसे आमतौर पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) के नाम से जाना जाता है। इसका गठन राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम, 2008 के तहत किया गया था। इस एजेंसी का मुख्य उद्देश्य भारत में आतंकवाद का मुकाबला करना भी है। इस प्रकार यह केंद्रीय आतंकवाद विरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी के रूप में कार्य करती है।

■ मिशन कर्मयोगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2 सितम्बर, 2020 को 'मिशन कर्मयोगी' राष्ट्रीय सिविल सेवा क्षमता विकास कार्यक्रम (National Programme for Civil Services Capacity Building- NPCSCB) को शुरू करने की मंजूरी प्रदान की है। इस मिशन का लक्ष्य भारतीय सिविल सेवकों को और भी अधिक रचनात्मक, सृजनात्मक, विचारशील, नवाचारी, अधिक क्रियाशील, प्रगतिशील, ऊर्जावान, सक्षम, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी समर्थ बनाते हुए भविष्य के लिए तैयार करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विशिष्ट भूमिका-दक्षताओं से युक्त सिविल सेवक उच्चतम गुणवत्ता मानकों वाली प्रभावकारी सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करने में समर्थ होंगे।

उद्देश्यः- कार्य संस्कृति में परिवर्तन को व्यवस्थित रूप से जोड़कर, सार्वजनिक संस्थानों का सुदृढ़ीकरण कर और सिविल सेवा क्षमता के निर्माण के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाकर सिविल सेवा क्षमता में रूपांतरणकारी बदलाव करना ताकि नागरिकों को प्रभावकारी रूप से सेवाएं मुहैया कराना सुनिश्चित किया जा सके।

■ प्रश्नकाल और शून्यकाल

प्रश्नकालः- संसदीय कार्यवाही का पहला एक घंटा प्रश्नकाल के लिए निर्धारित होता है। इस अवधि के दौरान संसद सदस्यों द्वारा मंत्रियों से प्रश्न पूछे जाते हैं। मंत्री सामान्यतः इन प्रश्नों का उत्तर देते हैं। संसदीय प्रक्रिया नियमों में प्रश्नकाल उल्लिखित नहीं है। प्रश्नकाल में निम्न प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं-

1. तारांकित प्रश्न :- ऐसे प्रश्नों का उत्तर मंत्री द्वारा मौखिक रूप में दिया जाता है एवं इन प्रश्नों पर अनुपूरक प्रश्न पूछे जाने की अनुमति होती है।
2. अतारांकित प्रश्नः- ऐसे प्रश्नों का उत्तर मंत्री द्वारा लिखित रूप में दिया जाता है एवं इन प्रश्नों पर अनुपूरक प्रश्न पूछने का अवसर नहीं मिलता है।
3. अल्पसूचना प्रश्नः- इस प्रकार के प्रश्नों को कम-से-कम 10 दिन का पूर्व नोटिस देकर पूछा जाता है, तथा प्रश्नों का उत्तर मंत्री द्वारा मौखिक रूप से दिया जाता है।

शून्यकालः- यह संसदीय कार्यप्रणाली का अनौपचारिक साधन है। संसद सदस्य बिना किसी पूर्व सूचना के किसी मामले को उठा सकते हैं। शून्यकाल का समय प्रश्नकाल के तुरंत बाद अर्थात दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक होता होता है। संसदीय प्रक्रिया नियमों में प्रश्नकाल के समान 'शून्यकाल' भी उल्लिखित नहीं है। संसदीय प्रक्रिया में यह 'नवाचार' भारत की देन है।

चर्चा में क्यों:- लोकसभा और राज्यसभा के सचिवों ने सितम्बर, 2020 में अधिसूचित किया है कि कोविड-19 महामारी के चलते संसद के मानसून सत्र के दौरान 'प्रश्नकाल' नहीं होगा तथा 'शून्यकाल' प्रतिबंधों के साथ दोनों सदनों में होगा। ये अधिसूचनाएं 14 सितम्बर से 1 अक्टूबर के बीच लागू रहेगी। विपक्षी सांसदों ने इसकी आलोचना करते हुए कहा है कि इससे वे सरकार से प्रश्न करने का अधिकार खो देंगे।

■ सेनमुरा-डौकंडी जलमार्ग

त्रिपुरा ने सिपाही जिला के सोनमुरा से बांग्लादेश के साथ अपने अंतर्देशीय जलमार्ग को खोल दिया है। बांग्लादेश के मुंशीगंज बंदरगाह से 50 MT सीमेंट के साथ एक बड़ी नाव 5 सितम्बर को ट्रायल रन के हिस्से के रूप में सोनमुरा पहुंची। यह जलमार्ग अगरतला से लगभग 60 किलोमीटर दूर सोनमुरा को बांग्लादेश में चटगांव के डौकंडी से जोड़ता है। यह पहला अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है जिसमें गुमटी नदी को इंडो-बांग्ला प्रोटोकॉल मार्ग के रूप में मंजूरी दी गई है। प्रस्तावित जलमार्ग परियोजना त्रिपुरा की गुमटी नदी को बांग्लादेश की मेघना नदी से जोड़ती है।

अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार प्रोटोकॉल :- भारत और बांग्लादेश के बीच हस्ताक्षरित 'अंतर्देशीय जल पारगमन और व्यापार प्रोटोकॉल' दीर्घकालिक व्यापार सुनिश्चितता की दिशा में किया गया प्रोटोकॉल है। यह समझौता किसी तीसरे देश में भी माल परिवहन की अनुमति देता है। इस प्रोटोकॉल पर पहली बार वर्ष 1972 में हस्ताक्षर किए गए थे। अंतिम बार वर्ष 2015 में पांच वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया था।

■ रक्षा क्षेत्र में एफडीआई

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रक्षा क्षेत्र के लिए नई प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति को मंजूरी दी है। इस नीति में ऑटोमैटिक रूट के तहत रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की सीमा को 49% से बढ़ाकर 74% कर दिया गया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को 74% करने के साथ इसमें 'राष्ट्रीय सुरक्षा' की शर्त को भी जोड़ा गया है। इस शर्त के अनुसार, रक्षा क्षेत्र में विदेशी निवेश राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर जांच के अधीन होगा। साथ ही सरकार के पास रक्षा क्षेत्र में किसी भी ऐसे विदेशी निवेश की समीक्षा करने का अधिकार सुरक्षित होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है।

■ 9 राज्यों में 22 बांस क्लस्टर्स लॉन्च

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 9 राज्यों (मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, नगालैंड, त्रिपुरा, ओडिशा, गुजरात, उत्तराखंड व महाराष्ट्र) के 22 बांस क्लस्टर्स की 8 सितम्बर, 2020 को वर्चुअल शुरुआत की। साथ ही राष्ट्रीय बांस मिशन के लोगो का विमोचन किया।

राष्ट्रीय बांस मिशन :- भारत सरकार ने अक्टूबर, 2006 में राष्ट्रीय बांस मिशन (NBM) की शुरुआत की। इसे राष्ट्रीय बांस तकनीकी और व्यापार विकास रिपोर्ट, 2003 के आधार पर लॉन्च किया था। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य देश में बांस उद्योग के विकास से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना, बांस उद्योग को नई गति एवं दिशा प्रदान करना तथा बांस उत्पादन में भारत की संभावनाओं को साकार करना है।

यह भी जानें :- भारत में हर साल लगभग 14.6 मिलियन टन बांस का उत्पादन होता है। देश में बांस की लगभग 136 किस्में पाई जाती हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट-2019 के अनुसार भारत में बांस उत्पादन के अंतर्गत 16 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र अनुमानित है। मध्यप्रदेश बांस उत्पादन के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल (2 मिलियन हेक्टेयर) रखता है। इसके पश्चात महाराष्ट्र (1.54 मिलियन हेक्टेयर), अरुणाचल प्रदेश (1.49 मिलियन हेक्टेयर) और ओडिशा (1.18 हेक्टेयर) का स्थान है।

■ प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 सितम्बर, 2020 को डिजिटल माध्यम से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) का शुभारंभ किया। PMMSY मत्स्य क्षेत्र पर केंद्रित एक सतत् विकास योजना है, जिसे आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक (5 वर्ष की अवधि के दौरान) सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में कार्यान्वित किया जाना है। इस योजना पर अनुमानतः 20,050 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा।

लक्ष्य:- वर्ष 2024-25 तक मत्स्य उत्पादन में अतिरिक्त 70 लाख टन की वृद्धि करना, वर्ष 2024-25 तक मत्स्य निर्यात से होने वाली आय को 1,00,000 करोड़ रुपए तक करना, मछुआरों और मत्स्य किसानों की आय को दोगुनी करना, पैदावार के बाद होने वाले नुकसान को 20-25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करना, मत्स्य पालन क्षेत्र और सहायक गतिविधियों में 55 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करना।

ई-गोपाला एप:- प्रधानमंत्री मोदी ने 'ई-गोपाला' एप भी लॉन्च किया। यह एप किसानों के प्रत्यक्ष उपयोग के लिए एक समग्र नस्ल सुधार, बाजार और सूचना पोर्टल है।

■ ऑप्टिकल फाइबर सेवा

देशभर में शुरू की जाने वाली 'ऑप्टिकल फाइबर सेवा' का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 सितम्बर, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार से किया। इस कार्यक्रम के तहत देश के 6 लाख गांवों को एक हजार दिनों में ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जाएगा। इससे इंटरनेट की पहुंच गांवों तक सुलभ हो सकेगी।

■ जम्मू-कश्मीर में अब पांच आधिकारिक भाषाएं

जम्मू-कश्मीर में अब पांच आधिकारिक भाषाएं (उर्दू, अंग्रेजी, हिन्दी, डोगरी व कश्मीरी) होंगी। लोकसभा ने इस सम्बन्ध में 22 सितम्बर, 2020 को 'जम्मू-कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक 2020' पारित किया है।

■ कृषि से सम्बन्धित दो विधेयक पारित

संसद ने सितम्बर, 2020 में दो कृषि विधेयकों- 'कृषि उपज वाणिज्य एवं व्यापार (संवर्द्धन एवं सुविधा) विधेयक, 2020' और 'मूल्य आश्वासन पर किसान (बंदोबस्ती और सुरक्षा) समझौता और कृषि सेवा विधेयक, 2020' को बहुमत से पारित कर दिया गया है। ये विधेयक केंद्र सरकार द्वारा जून 2020 में कृषि क्षेत्र में सुधार हेतु घोषित अध्यादेशों को प्रतिस्थापित करेंगे।

'कृषि उपज वाणिज्य एवं व्यापार (संवर्द्धन एवं सुविधा) विधेयक, 2020' :- यह विधेयक राज्य कृषि उपज विपणन कानून के तहत अधिसूचित बाजारों के भौतिक परिसर के बाहर अवरोध मुक्त अंतर्राज्यीय और राज्यंतारिक व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देता है। इस विधेयक के माध्यम से अधिशेष उपज वाले क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज पर बेहतर मूल्य प्राप्त होगा और साथ ही कम उपज वाले क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को कम कीमत पर अनाज प्राप्त हो सकेगा। इस विधेयक में कृषि क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग का भी प्रस्ताव किया गया है। इस अधिनियम के तहत किसानों से उनकी उपज की बिक्री पर कोई उपकर या लगान नहीं लिया जाएगा। सरकार के अनुसार, यह विधेयक भारत में 'एक देश, एक कृषि बाजार' के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मूल्य आश्वासन पर किसान (बंदोबस्ती और सुरक्षा) समझौता और कृषि सेवा विधेयक, 2020:- यह विधेयक किसानों को बगैर किसी शोषण के भय के प्रसंस्करणकर्त्ताओं, थोक विक्रेताओं, बड़े खुदरा कारोबारियों, निर्यातकों आदि के साथ जुड़ने में सक्षम बनाएगा। इसके माध्यम से किसान प्रत्यक्ष रूप से विपणन से जुड़ सकेंगे, जिससे मध्यस्थों की भूमिका समाप्त होगी और उन्हें अपनी फसल का बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकेगा। इस विधेयक से कृषि उपज को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने हेतु आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण तथा कृषि अवसंरचना के विकास हेतु निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इसके माध्यम से किसानों की आधुनिक तकनीक और बेहतर इनपुट्स तक पहुंच भी सुनिश्चित होगी।

■ फाइव स्टार गांव योजना

भारतीय डाक विभाग ने 10 सितम्बर, 2020 से 'फाइव स्टार गांव' योजना शुरू की है। इस योजना के तहत पोस्ट ऑफिस के सभी उत्पादों को देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों तक पहुंचाया जाएगा। यह योजना प्रायोगिक तौर पर महाराष्ट्र से शुरू की गई है।

■ भारतीय खेल प्राधिकरण का नया लोगो

खेल मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में भारतीय खेल प्राधिकरण (Sports Authority of India) का नया लोगो जारी किया है। नया लोगो खेल की उत्कृष्टता का निर्माण करने के लिए जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें विकसित करने में भारतीय खेल प्राधिकरण की महत्त्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना वर्ष 1984 में देश में खेल वातावरण तैयार करने के लिए की गई थी और यह जमीनी स्तर पर देशभर से खिलाड़ियों की पहचान करके उनकी प्रतिभा को विकसित करता है।

■ गोवा 'हर घर जल' वाला पहला राज्य

2.30 लाख परिवारों को कवर करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में 100% कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराकर गोवा देश में 'हर घर जल' वाला पहला राज्य बन गया है। जल जीवन मिशन (JJM) के तहत गोवा के ग्रामीण क्षेत्रों में 100% 'कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन' उपलब्ध कराया गया है।

यह भी जानें:- केन्द्र सरकार ने 'जल जीवन मिशन' या 'हर घर जल योजना' की घोषणा बजट 2020-21 में की थी। इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2024 तक देश के सभी घरों में पाइपलाइन से स्वच्छ पानी पहुंचाना है। सरकार इस योजना पर 3.5 लाख करोड़ रुपए व्यय करेगी।

■ सात कठोर कार्बनिक प्रदूषकों पर प्रतिबंध

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए हानिकारक सात रसायनों को प्रतिबंधित करते हुए 'स्टॉकहोम समझौते' के समर्थन को 7 अक्टूबर, 2020 को मंजूरी प्रदान की है।

इन रसायनों पर प्रतिबंध:-

1. क्लोरडीकोन,
2. हेक्सा ब्रोमोडीफिनाइल,
3. हेक्साब्रोमोडीफिनाइल ईथर और हेप्टैब्रोमोडीफेनलेथेर,
4. ट्रेटाब्रोमोडिफेनिल ईथर और पेंटाब्रोमोडीफिनाइल ईथर,
5. पेंटा क्लोरोबेंजीन,
6. हेक्साब्रोमोसाइक्लेडोडीकेन,
7. हेक्साक्लोरोबूटाडीन।

यह भी जानें:- स्टॉकहोम समझौता स्वीडन के स्टॉकहोम में वर्ष 2001 में हस्ताक्षरित हुआ था। यह समझौता वर्ष 2004 से प्रभारी हो गया। इसमें कठोर जैविक प्रदूषकों से मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है।

■ चुनाव खर्च सीमा के लिए समिति

भारतीय निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की संख्या में वृद्धि और महंगाई दर में बढ़ोतरी तथा अन्य पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों द्वारा किए जाने वाले चुनावी खर्च की सीमा से जुड़े मुद्दों का परीक्षण करने के लिए समिति का गठन किया है। समिति का गठन पूर्व राजस्व सेवा अधिकारी और महानिदेशक (अन्वेषण) हरीश कुमार तथा महासचिव तथा महानिदेशक (व्यय) उमेश सिन्हा की सदस्यता में किया गया है। समिति अपने गठन के 120 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी।

■ असम में पहला मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने 20 अक्टूबर, 2020 को असम के जोगीघोपा में देश के पहले मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्क की आधारशिला रखी। 693.97 करोड़ रुपए की लागत वाले इस पार्क से लोगों को सीधे हवाई, सड़क, रेल और जलमार्ग कनेक्टिविटी की सुविधा मिल सकेगी। इस पार्क का विकास भारत सरकार की महत्त्वाकांक्षी 'भारतमाला परियोजना' के तहत किया जाएगा। इसके निर्माण का पहला चरण वर्ष 2023 तक पूरा होगा।

■ आयुष्मान सहकार योजना

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 19 अक्टूबर, 2020 को आयुष्मान सहकार योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं को स्थापित करने के लिए सहकारी समितियों को कुल 10,000 करोड़ रुपए का ऋण दिया जाएगा।

■ 'कपिला' कलाम कार्यक्रम

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 89वीं जयंती पर 15 अक्टूबर, 2020 को आविष्कारों के पेटेंट के प्रति जागरूकता हेतु बौद्धिक संपदा साक्षरता एवं जागरूकता शिक्षा अभियान के लिए 'कपिला' कलाम कार्यक्रम शुरू किया है।

कपिला (KAPILA), आईपी (बौद्धिक संपदा) साक्षरता एवं जागरूकता के लिए कलाम कार्यक्रम 'Kalam Program for IP (Intellectual Property) Literacy and Awareness' का संक्षिप्त नाम है। इस अभियान के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को उनके आविष्कार को पेटेंट कराने के लिए आवेदन प्रक्रिया की सही प्रणाली के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगे।

■ मदन बी. लोकुर समिति

भारत के मुख्य न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे के नेतृत्व में सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने तीन राज्यों (हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश) में किसानों द्वारा पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी और रोकथाम के लिए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश मदन बी. लोकुर की एक सदस्यीय समिति का गठन किया है।

■ कामधेनु दीपावली अभियान

राष्ट्रीय कामधेनु आयोग (Rashtriya Kamdhenu Aayog-RKA) ने इस वर्ष दीपावली त्योहार के अवसर पर 'कामधेनु दीपावली अभियान' मनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। 'कामधेनु दीपावली अभियान' का उद्देश्य गाय के गोबर से निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय कामधेनु आयोग:- RKA की घोषणा केंद्रीय बजट 2019-20 में की गई थी। RKA की स्थापना केंद्र सरकार द्वारा 6 फरवरी, 2019 को की गई। यह भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत आता है। इसका उद्देश्य देश में गोवंश के संरक्षण, सुरक्षा और संवर्द्धन के साथ उनकी संख्या बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

■ 'थैलेसीमिया बाल सेवा योजना' का द्वितीय चरण

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने 15 अक्टूबर, 2020 को थैलेसीमिया बीमारी से ग्रस्त शोषित समाज के रोगियों के लिए 'थैलेसीमिया बाल सेवा योजना' के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। थैलेसीमिया बाल सेवा योजना की शुरुआत वर्ष 2017 में की गई थी। यह कोल इंडिया का 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी' के तहत वित्तपोषित 'हेमाटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन' कार्यक्रम है।

■ ILO : भारत संचालक मंडल का अध्यक्ष

भारत को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के संचालक मंडल की अध्यक्षता प्राप्त हुई है। भारत के श्रम एवं रोजगार सचिव अपूर्व चंद्रा को अक्टूबर, 2020 से जून 2021 तक की अवधि के लिए ILO के संचालक मंडल के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। संचालक मंडल, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का शीर्ष कार्यकारी निकाय है, जो संगठन से संबंधित नीतियों, कार्यक्रमों, एजेंडा, बजट आदि का निर्धारण करने के साथ-साथ संगठन के महानिदेशक का भी चुनाव करता है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठनः- ILO संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध एक विशिष्ट एजेंसी है, जिसकी स्थापना वर्ष 1919 में वर्साय की संधि द्वारा राष्ट्र संघ की एक संबद्ध एजेंसी के रूप में की गई थी। यह श्रम मानक निर्धारित करने, नीतियां विकसित करने एवं सभी महिलाओं तथा पुरुषों के लिए सभ्य कार्य को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम तैयार करने हेतु 187 सदस्य देशों की सरकारों, नियोक्ताओं और श्रमिकों को एक साथ लाता है। वर्ष 1946 में ILO, संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध पहली विशिष्ट एजेंसी बना। ILO में कार्रवाई का मुख्य साधन अभिसमयों एवं समझौतों के रूप में अंतरराष्ट्रीय श्रम मानकों की स्थापना करना है। इसकी अनुशंसाएं गैर-बाध्यकारी हैं और राष्ट्रीय नीतियों तथा कार्यों को उन्मुख करने वाले दिशा-निर्देशों का निर्धारण करती हैं।

■ चुनाव अभियान खर्च सीमा में बढ़ोतरी

चुनाव आयोग की सिफारिश के आधार पर लोकसभा-विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए चुनाव खर्च की सीमा को 10 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में विधि मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार को प्रचार के लिए अधिकतम खर्च 77 लाख रुपए हो सकता है, जबकि पहले यह राशि 70 लाख रुपए थी। वहीं, अब विधानसभा चुनावों के दौरान प्रत्याशियों द्वारा 30.8 रुपए खर्च किए जा सकते हैं, जबकि पहले यह राशि 28 लाख रुपए थी।

■ किसान क्रेडिट कार्ड योजना

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत वर्ष 1998 में हुई। इसका उद्देश्य किसानों को कृषि गतिविधियों के लिए बिना किसी बाधा के समय पर ऋण उपलब्ध कराना था। भारत सरकार किसान क्रेडिट कार्ड के तहत किसानों को ब्याज पर 2 प्रतिशत की आर्थिक सहायता देती है और समय पर ऋण चुकाने वाले किसानों को 3 प्रतिशत की प्रोत्साहन छूट दी जाती है।

चर्चा में क्योंः- आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घोषित पैकेज में केंद्र सरकार ने विशेष अभियान चलाकर 2 लाख करोड़ रुपए की खर्च सीमा के 2.5 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाने की घोषणा की थी। अब इस दिशा में किए गए निरंतर प्रयास के चलते सस्ती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए मछली पालकों और पशु पालकों समेत 1.5 करोड़ किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने की उपलब्धि हासिल कर ली गई है। ध्यातव्य है कि जारी किए गए सभी किसान क्रेडिट कार्डों के लिए खर्च की कुल सीमा 1.35 लाख करोड़ रुपए है।

चर्चित स्थान

■ अटल सुरंग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 03 अक्टूबर, 2020 को हिमाचल प्रदेश में रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण अटल सुरंग का उद्घाटन किया। यह सुरंग हिमाचल प्रदेश के लाहुल एवं स्पीति जिले में मनाली के पास सोलंग घाटी को सिस्सू से जोड़ती है। समुद्र तल से 3000 मीटर की ऊंचाई पर निर्मित यह दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग है।

9.02 किलोमीटर लंबी यह सुरंग रोहतांग ला के पश्चिम में एक पहाड़ को काट कर निर्मित की गई है जिससे सोलंग घाटी एवं सिस्सू के बीच की दूरी लगभग 46 किमी. कम हो जाएगी। इस दूरी को तय करने में अब लगभग 15 मिनट लगेंगे। इस सुरंग का निर्माण हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों को सदैव कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है जो शीत ऋतु के दौरान लगभग 6 महीने तक लगातार शेष देश से कटे रहते हैं।

सोलंग घाटीः- सोलंग घाटी का नाम सोलंग (निकटवर्ती गांव) और नाला (जलधारा) शब्दों के संयोजन से मिलकर बना है। यह हिमाचल प्रदेश में कुल्लू घाटी के शीर्ष पर अवस्थित एक साइड वैली है।

सिस्सू :- सिस्सू, जिसे खालिंग भी कहा जाता है, हिमाचल प्रदेश में लाहुल घाटी में एक छोटा सा शहर है। यह मनाली से लगभग 90 किमी. दूर है और चंद्रा नदी के दक्षिणी किनारे पर अवस्थित है।

■ साधना दर्रा

साधना दर्रा जम्मू और कश्मीर में एक पर्वतीय दर्रा है। इसे पहले नास्ताचुन दर्रे के नाम से भी जाना जाता था। यह हिमालय में अवस्थित है और कुपवाड़ा जिले की करनाह तहसील को कश्मीर घाटी के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। यह विशाल शम्स ब्रि पर्वत श्रृंखला में स्थित है, जो जिला मुख्यालय कुपवाड़ा से करनाह घाटी को अलग करता है।

चर्चा में क्यों:- नियंत्रण रेखा पर नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अर्द्ध-सैनिक बल असम राइफल्स की नौ राइफल वुमेन्स को जुलाई, 2020 में कुपवाड़ा-तंगधार राजमार्ग पर साधना दर्रे पर तैनात किया गया है।

■ जोजिला सुरंग

केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने जोजिला सुरंग के निर्माण-संबंधी कार्यों की अनुमति दी है जो श्रीनगर घाटी और लेह के बीच पूरे वर्ष कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। जोजिला एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक सुरंग है। यह श्रीनगर, द्रास, कारगिल और लेह को एक सुरंग के माध्यम से प्रसिद्ध जोजिला दर्रा से जोड़ेगी। इस परियोजना को 5-6 वर्ष में पूरा किया जाएगा।

यह NH-1 के 434 किलोमीटर लंबे श्रीनगर-कारगिल-लेह सेक्शन को हिमस्खलन से मुक्त बनाएगी और सुरक्षा बढ़ाएगी तथा यात्रा के समय को 3 घंटे से घटाकर 30-15 मिनट कर देगी। जोजिला सुरंग न केवल श्रीनगर, द्रास, कारगिल और लेह के बीच सभी मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, बल्कि यह दोनों केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) के आर्थिक- सामाजिक-सांस्कृतिक एकीकरण को भी मजबूत करेगी।

■ नेचिफु सुरंग

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अक्टूबर, 2020 में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में बालीपारा-चारदुआर-तवांग मार्ग पर सामरिक रूप से महत्त्वपूर्ण नेचिफु सुरंग की आधारशिला रखी। 450 मीटर लंबी यह सुरंग जो कि मौजूदा सड़क को बाईपास करेगी, D-आकार की होगी और इसमें 3.5 मीटर चौड़ाई के दो लेन होंगे। गौरतलब है कि बालीपारा-चारदुआर-तवांग मार्ग पर 1.8 किमी. लंबी एक और सुरंग बनाई जा रही है। ये दोनों सुरंगें चीन से सटे क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए तय दूरी को 10 किमी. कम कर देंगी।

चर्चित व्यक्ति

■ हरसिमरत कौर बादल

केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने 17 सितम्बर, 2020 को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह इस्तीफ कृषि विधेयक के विरोध में दिया। अब केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

■ आयुष्मान खुराना

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ ने बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को बच्चों के अधिकारों के लिए चलाए जा रहे अभियान 'For Every Child' के लिए सेलिब्रेटी एडवोकेट बनाने की घोषणा 11 सितम्बर, 2020 को की है।

नियुक्तियां

■ राजीव कुमार

पूर्व केंद्रीय वित्त सचिव और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजीव कुमार ने नया चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया है। वे इस पद पर अशोक लवासा का स्थान लेंगे। लवासा ने एशियाई विकास बैंक का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद इस पद से इस्तीफा दे दिया था।

■ हरिवंश नारायण सिंह

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार हरिवंश नारायण सिंह को 14 सितम्बर, 2020 को पुनः राज्यसभा के उपसभापति के तौर पर चुन लिया गया है, इस पद पर यह उनका दूसरा कार्यकाल होगा। उपसभापति ऊपरी सदन का पीठासीन अधिकारी होता है और राज्यसभा द्वारा अपने सदस्यों में से किसी एक को उपसभापति के रूप में चुना जाता है। सभापति का पद खाली रहने अथवा सभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति, सभापति के रूप में कार्य करता है और उसमें सभापति की सभी शक्तियां निहित हो जाती हैं।

■ डॉ. पी.डी. वाघेला

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. पी. डी. वाघेला को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति कुल तीन वर्ष के कार्यकाल अथवा 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, तक की गई है। वे इस पद पर आर.एस. शर्मा का स्थान लेंगे।

■ राजेश खुल्लर

राजेश खुल्लर को 14 सितम्बर, 2020 को विश्व बैंक का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। वे विश्व बैंक में भारत, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका कार्यकाल 3 वर्ष का होगा। ध्यातव्य है कि विश्व बैंक समूह में कुल 25 कार्यकारी निदेशक शामिल होते हैं जो कि किसी एक देश अथवा देशों के एक समूह क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

■ खुशी चिंदलिया

गुजरात निवासी खुशी चिंदलिया (17) को अक्टूबर, 2020 में भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम टुंजा-इको-जेनरेशन की क्षेत्रीय राजूदत नियुक्त किया गया है।

निधन

■ गोविंद स्वरूप

वैज्ञानिक और रेडियो खगोलशास्त्री गोविंद स्वरूप (91)

का 07 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया है। गोविंद स्वरूप को 'भारतीय रेडियो खगोलशास्त्र के पिता के रूप में जाना जाता था। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (TIFR) में उन्होंने रेडियो खगोलशास्त्रियों का एक समूह स्थापित किया, जो कि विश्व में इस तरह का अपना पहला समूह था।

■ जसवंत सिंह

पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह (82) का 27 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया। भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक जसवंत सिंह चार बार लोकसभा और पांच बार राज्यसभा के लिए चुने गए।

■ सुरेश अंगड़ी

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री सुरेश अंगड़ी का (65) सितम्बर, 2020 में कोरोना संक्रमण के चलते निधन हो गया है। 01 जून, 1955 को कर्नाटक के बेलगाम जिले में जन्मे सुरेश अंगडी बेलगाम 17वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे और उन्हें रेल राज्य मंत्री का पदभार सौंपा गया था।

■ केशवानंद भारती

केरल स्थित एडनीर मठ के प्रमुख स्वामी केशवानंद भारती (79) का 6 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया है। गौरतलब है कि स्वामी केशवानंद भारती द्वारा दायर याचिका में ही सर्वोच्च न्यायालय ने 24 अप्रेल, 1973 को संविधान की 'मूल संरचना' का ऐतिहासिक सिद्धांत दिया था। इसके माध्यम से भारतीय संविधान की उस 'मूल संरचना' को निर्धारित किया गया, जिसे संसद द्वारा संशोधित नहीं किया जा सकता है। इस मामले की सुनवाई के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने 13 न्यायाधीशों की खंडपीठ का गठन किया था, जो अब तक सबसे बड़ी खंडपीठ थी।

■ डॉ. इशर जज अहलूवालिया

अर्थशास्त्री डॉ. इशर जज अहलूवालिया (74) का ब्रेन कैंसर के कारण सितम्बर, 2020 में निधन हो गया है। उन्होंने तकरीबन 15 वर्षों तक भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (ICRIER) में निदेशक और अध्यक्ष के तौर पर कार्य किया। वर्ष 2009 में उन्हें शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए राष्ट्रपति द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

■ भानु अथैया

भारत की पहली ऑस्कर विजेता और कॉस्ट्यूम डिजाइनर भानु अथैया (91) का 15 अक्टूबर, 2020 को निधन हो गया है। भानु अथैया को वर्ष 1982 में आई फिल्म 'गांधी' के लिए ब्रिटिश कॉस्ट्यूम डिजाइनर जॉन मोलो के साथ संयुक्त तौर पर ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

■ अक्कीतम अच्युतन नंबूदिरी

मलयालम के प्रसिद्ध कवि और ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता अक्कीतम अच्युतन नंबूदिरी (94) का 15 अक्टूबर, 2020 को निधन हो गया है। वर्ष 2017 में इन्हें पद्मश्री और 2019 कें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

■ विजय लक्ष्मी रमानन

भारतीय वायु सेना की पहली महिला अधिकारी विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) डॉ. विजयलक्ष्मी रमानन (96) का अक्टूबर, 2020 में निधन हो गया है।

■ केशुभाई पटेल

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल (93) का अक्टूबर, 2020 में अहमदाबाद में निधन हो गया है। वर्ष 1977 में उन्होंने अपना पहला लोकसभा चुनाव जीता। वर्ष 1995 में वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने, हालांकि उन्हें जल्द ही इस्तीफा देना पड़ा। वर्ष 1998 में पुनः चुनाव आयोजित किए गए और एक बार फिर केशुभाई पटेल गुजरात के मुख्यमंत्री बने और वर्ष 2001 तक इस पद पर रहे।

■ रामविलास पासवान

केन्द्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों की मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी के संरक्षक रामविलास पासवान (74) का 8 अक्टूबर, 2020 को निधन हो गया। नौ बार लोकसभा सांसद रहे पासवान वर्तमान में राज्यसभा सांसद थे।

पुरस्कार

■ राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार-2020

'एयर फोर्स स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड' (Air Force Sports Control Board-AFSCB) को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार-2020 से सम्मानित किया गया है। AFSCB को यह पुरस्कार खिलाड़ियों को अपने संबंधित खेल क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने एवं खेल कल्याण उपायों को लागू करने में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रदान किया गया है।

AFSCB :- AFSCB भारतीय वायुसेना के अंतर्गत अंतर सेवा स्तर पर खेल गतिविधियों की योजना एवं संचालन के लिए सर्वोच्च निकाय है। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना, खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा युवा एयर वारियर्स को खेल गतिविधियों को जीवन के एक हिस्से के रूप में शामिल करने के लिए प्रेरित करना है।

■ वेनिस फिल्म समारोह - चैतन्य तम्हाणे को पुरस्कार

इटली के वेनिस में 02-12 सितम्बर, 2020 को आयोजित 'वेनिस फिल्म समारोह' (77वें) में फिल्म निर्देशक चैतन्य तम्हाणे को शास्त्रीय संगीतकार पर बनी मराठी फिल्म 'द डिसाइपल' के लिए सर्वोत्तम पटकथा का पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2001 में मीरा नायर के बाद यह दूसरा मौका है जब किसी भारतीय ने इस समारोह में पुरस्कार जीता है।

■ इंदिरा गांधी शांति, नि:शस्त्रीकरण एवं विकास पुरस्कार

प्रकृतिवादी इतिहासकार सर डेविड एटनबरो को वर्ष 2019 के 'इंदिरा गांधी शांति, नि:शस्त्रीकरण एवं विकास पुरस्कार' से 7 सितम्बर, 2020 को सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा वर्ष 1986 से प्रतिवर्ष प्रदान किया जा रहा है। पुरस्कार स्वरूप 25 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2018 का यह पुरस्कार भारत के विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र को प्रदान किया गया था।

■ ज्ञानपीठ पुरस्कार-2019

मलयालम साहित्य के कवि अक्कीतम अच्युतन नंबूदिरी को 24 सितम्बर, 2020 को केरल के कुमारानाल्लूर जिले में स्थित उनके आवास पर आयोजित किए गए विशेष कार्यक्रम में ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह ज्ञानपीठ पुरस्कार का 55वां संस्करण है।

यह भी जानें :- भारतीय ज्ञानपीठ न्यास द्वारा भारतीय साहित्य के लिए दिया जाने वाला यह सर्वोच्च पुरस्कार है। यह पुरस्कार संविधान की 8वीं अनुसूची में वर्णित 22 भारतीय भाषाओं में लेखन करने वाले साहित्यकार को साहित्य के क्षेत्र में आजीवन योगदान हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के तहत 11 लाख रुपए की धनराशि, प्रशस्ति-पत्र तथा वाग्देवी की कांसे की प्रतिमा प्रदान की जाती है। पहली बार ज्ञानपीठ पुरस्कार वर्ष 1965 में मलयालम साहित्यकार जी. शंकर कुरुप को दिया गया था।

■ अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के पुरस्कार

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (AIFF) के वर्ष 2019-20 के पुरस्कारों की घोषणा 25 सितम्बर, 2020 को नई दिल्ली में की गई। गोलकीपर गुरप्रीत सिंह सिंधू को वर्ष का 'सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर' घोषित किया गया। वहीं, 'सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर' के खिताब के लिए संजू को चुना गया।

पुरस्कार प्राप्तकर्ता:-

- **सर्वश्रेष्ठ पुरुष फुटबॉलर** - गुरप्रीत सिंह सिंधू
- **सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर** - संजू
- **सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी (पुरुष)** - अनिरुद्ध थापा
- **सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी (महिला)**-रतनबाला देवी
- **सर्वश्रेष्ठ रेफरी** - पी. वायरा मुथु (तमिलनाडु)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक रेफरी**- एल. अजीत कुमार मिथाई (मणिपुर)
- **जमीनी स्तर पर खेल के विकास के लिए पुरस्कार**- पश्चिम बंगाल

यह भी जानें:- AIFF भारत में फुटबॉल का शासी निकाय है, जिसकी स्थापना वर्ष 1937 में शिमला स्थित सेना मुख्यालय में हुई थी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन प्लेयर (AIFF), एशियाई फुटबॉल परिसंघ (AFC) के संस्थापक सदस्यों में से एक है।

■ शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार

विज्ञान की 7 शाखाओं में उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के 14 वैज्ञानिकों को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के शांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कारों की घोषणा 26 सितम्बर, 2020 को की गई।

पुरस्कार विजेता:-

- **जैविकीय विज्ञान** :- डॉ. शुभादीप चटर्जी एवं डॉ. वल्सला थिरूमलाई
- **रसायन विज्ञान** :- डॉ. ज्योर्तिमयी दास एवं डॉ. सुबी जैकब जॉर्ज
- **पृथ्वी, वातावरण, समुद्र एवं खगोल विज्ञान** :- डॉ. अभिजीत मुखर्जी एवं डॉ. सूर्येन्दु दत्ता
- **इंजीनियरिंग विज्ञान:**- डॉ. अमोल अरिविंद एवं डॉ. किंसुक दास गुप्ता
- **चिकित्सा विज्ञान:**- डॉ. बुशरा अतीक एवं डॉ. रीतेश अग्रवाल
- **गणित विज्ञान:**- डॉ. रजत शुभ्रा हजरा एवं डॉ. यू.के. आनंदवर्धनन
- **भौतिक विज्ञान:**- डॉ. राजेश गनापथी एवं डॉ. सुराजीत धारा

■ राष्ट्रीय स्टार्ट-अप पुरस्कार-2020

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 6 अक्टूबर, 2020 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्टार्ट अप पुरस्कारों के पहले संस्करण के परिणाम जारी किए। ये पुरस्कार 12 विभिन्न क्षेत्रों (कृषि, शिक्षा, उद्यम प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, वित्त, खाद्य, स्वास्थ्य, उद्योग 4.0, अंतरिक्ष, सुरक्षा, पर्यटन एवं शहरी सेवाएं) में दिए गए हैं। कृषि उत्पादकता श्रेणी में पुरस्कार नव डिजाइन और इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है, जबकि फसल कटाई के बाद की श्रेणी में पुरस्कार इंटैलो लैब प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया। स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र का पुरस्कार एलोय ई-सेल प्राइवेट लिमिटेड ने प्राप्त किया है। उपग्रह प्रौद्योगिकी क्षेत्र के तहत पुरस्कार बैलाट्रिक्स ऐरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड को मिला है।

■ स्वच्छ भारत पुरस्कार

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 2 अक्टूबर, 2020 को 'स्वच्छ भारत पुरस्कार' वितरित किए गए।

इन्हें मिला पुरस्कारः-

- **स्वच्छ सुन्दर सामुदायिक शौचालय अभियानः-**

  सर्वश्रेष्ठ राज्य - गुजरात

  सर्वश्रेष्ठ जिला - तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)

- **सामुदायिक शिक्षा अभियानः-**

  सर्वश्रेष्ठ राज्य - उत्तर प्रदेश (गरीब कल्याण रोजगार अभियान) और गुजरात

  सर्वश्रेष्ठ जिला - प्रयागराज (गरीब कल्याण रोजगार अभियान) और बरेली

- **गंदगी मुक्त भारत अभियानः-**

  अधिकतम श्रमदान भागीदारी के लिए प्रथम पुरस्कार - तेलंगाना

- **अधिकतम ओडीएफ प्लस गांव घोषित करने के लिए** - हरियाणा

❑❑❑

3 राजस्थान घटनाक्रम

■ पहली भूमिगत मेट्रो ट्रेन का लोकार्पण

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 23 सितम्बर, 2020 को प्रदेश की पहली भूमिगत मेट्रो ट्रेन का जयपुर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लोकार्पण किया। यह ट्रेन परकोटे में मेट्रो फेज वन-बी के तहत चांदपोल से बड़ी चौपड़ तक 2.12 किमी. तक संचालित की जाएगी।

■ भिवाड़ी प्रौद्योगिकी केन्द्र

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 31 अगस्त, 2020 को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अलवर जिले के भिवाड़ी स्थित पथरेड़ी में प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन किया। इस नए प्रौद्योगिकी केंद्र में सेना और जहाजों के साथ-साथ उद्योगों के लिए अत्याधुनिक मशीनें बनाई जाएंगी। साथ ही यहां भारतीय सेना के काम आने वाले टैंक और पानी के जहाजों के विभिन्न हिस्से भी बनाए जाएंगे। यहां युवाओं को नवीन तकनीकी शिक्षा दी जाएगी और उन्हें भविष्य में एक कुशल इंजीनियर बनाने का प्रयास किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान लगभग 22 से 24 प्रतिशत है। विनिर्माण क्षेत्र की इस भूमिका को और मजबूत करने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सरकार 15 नए प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित कर रही है और कुशल मानव संसाधन के लिए मौजूदा 18 केंद्रों को भी विकसित किया जा रहा है।

■ नई पर्यटन नीति को मंजूरी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता वाले राज्य मंत्रिमण्डल ने 2 सितम्बर, 2020 को राज्य की नई पर्यटन नीति को मंजूरी प्रदान की है।

प्रमुख बिन्दुः-

- पर्यटन विकास को नीतिगत दिशा-निर्देश प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'राज्य पर्यटन सलाहकार समिति' के गठन का प्रावधान।
- नीति के समयबद्ध क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के सचिवों की राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति के गठन का प्रावधान।
- जिला कलक्टरों की अध्यक्षता वाली वर्तमान जिला पर्यटन विकास समिति को अधिक कार्यकारी शक्तियां प्रदान की गई हैं।
- पर्यटन विभाग द्वारा राज्य में कौशल केन्द्रों के प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राजस्थान आईएलडी कौशल विश्वविद्यालय के सहयोग से 'मास्टर ट्रेनर्स अकादमी' की स्थापना की जाएगी।

■ जयपुर में बनेगा पहला मतदान जागरूकता केन्द्र

केन्द्रीय निर्वाचन आयोग पहला क्षेत्रीय मतदान जागरूकता केन्द्र जयपुर के इंदिरा गांधी नगर में स्थापित करेगा। यह क्षेत्रीय कार्यालय राजस्थान के साथ-साथ हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम संचालित करेगा।

■ इम्पेक्ट एप

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने अन्तरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 11 अक्टूबर, 2020 को 'इम्पेक्ट' (Integrated System for Monitoring of PCPNDT Act-IMPACT) एप लॉन्च किया। इस एप के जरिए पीसीपीएनडीपी अधिनियम के तहत कार्यवाही और निरीक्षण गतिविधियों में आसानी हो सकेगी।

नियुक्ति/निर्वाचन

■ ओम थानवी

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति ओम थानवी को महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने 22 सितम्बर, 2020 को इस सम्बन्ध में आदेश जारी किए।

■ राजीव जैन

प्रो. राजीव जैन को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर का कुलपति नियुक्त किया गया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने 9 सितम्बर, 2020 को इसके आदेश जारी किए।

■ भागीरथ सिंह

प्रो. भागीरथ सिंह को पं.दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर का कुलपति नियुक्त किया है। राज्यपाल कलराज मिश्र ने 9 सितम्बर, 2020 को इसके आदेश जारी किए।

■ भूपेन्द्र सिंह

पूर्व डीजीपी डॉ. भूपेन्द्र सिंह को राजस्थान लोकसेवा आयोग का नया चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उन्होंने इस पद पर दीपक उप्रेती का स्थान लिया है जिनका 14 अक्टूबर, 2020 को कार्यकाल पूर्ण हुआ। डॉ. भूपेन्द्र सिंह की नियुक्ति 6 वर्ष अथवा 62 वर्ष की आयु, जो पहले हो, के लिए की गई है।

यह भी जानें:- आरपीएससी में एक अध्यक्ष व 7 सदस्य होते हैं, जिनकी नियुक्ति राज्यपाल की आज्ञा से की जाती है। आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष अथवा 62 वर्ष की आयु पूरी होने तक होता है।

■ डी.बी. गुप्ता

देवेन्द्र भूषण गुप्ता को 1 अक्टूबर, 2020 को मुख्यमंत्री के सलाहकार के पद पर पुनर्नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल एक वर्ष का होगा। पूर्व मुख्य सचिव गुप्ता का कार्यकाल 30 सितम्बर, 2020 को समाप्त हुआ था।

■ एम.एल. लाठर

राजस्थान सरकार ने पुलिस महानिदेश (अपराध शाखा) मोहन लाल लाठर को 14 अक्टूबर, 2020 को राज्य के पुलिस महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। उन्होंने इस पद पर भूपेन्द्र सिंह का स्थान लिया है।

■ डॉ. आलोक त्रिपाठी

डॉ. आलोक त्रिपाठी को जोधपुर स्थित सरकार पटेल पुलिस, सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। डॉ. त्रिपाठी पूर्व में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के डीजी रह चुके हैं।

निधन

■ जकिया इनाम

प्रदेश की पूर्व चिकित्सा मंत्री और कांग्रेस नेता जकिया इनाम का 23 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया। वे टोंक से तीन बार विधायक रहीं।

■ भूपेश पण्ड्या

बांसवाड़ा के मूल निवासी जाने-माने रंगकर्मी और अभिनेता भूपेश पण्ड्या का 23 सितम्बर, 2020 को निधन हो गया। वे कैंसर से पीड़ित थे।

पुरस्कार

■ मथुरादास माथुर पुरस्कार

जयपुर ब्लूज क्रिकेट क्लब की ओर से दिए जाने वाले 'मथुरादास माथुर पुरस्कार' का वितरण 6 सितम्बर, 2020 को किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए यह पुरस्कार निम्न श्रेणियों में प्रदान किया गया-

सीनियर वर्ग - अशोक मनेरिया (उदयपुर)

जूनियर वर्ग - हितेश पटेल (उदयपुर)

सब-जूनियर वर्ग - साहिल भास्कर (जोधपुर)

■ सीबीएसई अवॉर्ड 2019

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल ने 9 सितम्बर, 2020 को झुन्झुनूं के पिलानी स्थित बिड़ला बालिका विद्यापीठ की वाइस प्रिंसिपल अनीता मिश्रा को 'सीबीएसई अवॉर्ड-2019' से सम्मानित किया। शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले 39 शिक्षकों यह अवॉर्ड प्रदान किया गया है, जिनमें तीन विदेशी शिक्षक भी शामिल हैं।

■ साहित्य श्री और राजस्थानी साहित्य सृजन पुरस्कार

श्री मलाराम माली स्मृति साहित्यश्री सम्मान और राजस्थानी साहित्य सृजन हेतु दिए जाने वाले राजस्थानी साहित्य सृजन पुरस्कार की घोषणा 13 अक्टूबर, 2020 को की गई। इस वर्ष सीकर के शिक्षाविद् रमेश जोशी को साहित्य श्री सम्मान और बीकानेर के कवि शंकर सिंह राजपुरोहित को 'म्रित्यु रासौ' के लिए राजस्थानी साहित्य सृजन पुरस्कार प्रदान किया गया है।

❑❑❑

4 रक्षा/विज्ञान प्रौद्योगिकी

■ इन्द्र युद्धाभ्यास-2020

भारत और रूस के बीच 'इन्द्र' युद्धाभ्यास का आयोजन 4-5 सितम्बर, 2020 को किया गया। 'इन्द्र' सैन्य अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2003 में हुई थी। भारत के पश्चिमी और पूर्वी, दोनों तटों पर मई 2003 में पहले भारत-रूस द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास का आयोजन किया गया था। वर्ष 2017 में रूस के व्लादिवोस्टोक में पहले संयुक्त सैन्य अभ्यास का आयोजन किया गया, जिसमें दोनों देशों की थल, वायु एवं जल सेनाओं ने भाग लिया।

उद्देश्यः- दोनों देशों की सेनाओं के बीच सामरिक कौशल, अनुभव और सैन्य तकनीक को साझा करना। भारत और रूस के बीच रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना।

■ अभ्यास

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 22 सितम्बर, 2020 को ओडिशा के बालासोर परीक्षण रेंज से स्वेदश निर्मित हाईस्पीड एक्सपेंडेबल एरियल 'अभ्यास' का सफल परीक्षण किया। अभ्यास एक मानव रहित ड्रोन है, जो हथियार प्रणालियों के अभ्यास के लिए वास्तविक खतरे जैसा परिदृश्य प्रदान कर सकता है। इसे डीआरडीओ के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान ने विकसित किया है।

■ जिमेक्स-2020

'जिमेक्स' भारत और जापान का द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास है, जिसके चौथे संस्करण का आयोजन 26-28 सितम्बर, 2020 को उत्तरी अरब सागर में किया गया।

यह भी जानें:-जिमेक्स का आयोजन पहली बार जनवरी, 2012 में हुआ था। पिछला संस्करण अक्टूबर, 2018 में विशाखापत्तनम में आयोजित हुआ।

■ सागर कवच

भारतीय नौसेना ने अक्टूबर, 2020 में 'सागर कवच' नामक दो दिवसीय तटीय सुरक्षा अभ्यास किया। सुरक्षा अभ्यास भारतीय नौसेना द्वारा भारतीय तटरक्षक बल के साथ आयोजित किया गया था। तटीय सुरक्षा तंत्र की जांच करने और मानक संचालन प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए यह अर्ध-वार्षिक अभ्यास है।

■ नासा का आर्टेमिस कार्यक्रम

नासा ने अपने आर्टेमिस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रकाशित की है, जिसमें वर्ष 2024 तक मनुष्य (एक महिला और एक पुरुष) को चंद्रमा पर भेजने की योजना बनाई गई है। गौरतलब है कि अंतिम बार नासा ने चंद्रमा पर इंसानों को वर्ष 1972 में अपोलो मिशन के दौरान भेजा था।

■ जिनकोन

रूस ने अपनी सबसे घातक हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'जिनकोन' का 7 अक्टूबर, 2020 को बेरेन्ट्स सागर में सफल परीक्षण किया। इस मिसाइल ने 450 किमी दूर स्थित लक्ष्य को साढ़े चार से भी कम मिनट में तबाह कर दिया।

■ शौर्य मिसाइल

भारत ने 03 अक्टूबर, 2020 को परमाणु सक्षम शौर्य मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। शौर्य मिसाइल के-मिसाइल समूह (K-Missile Group) से संबंधित है। इस मिसाइल को अरिहंत वर्ग की परमाणु पनडुब्बी से लॉन्च किया गया है। शौर्य मिसाइल लघु श्रेणी एसएलबीएम के-15 सागरिका का भूमि संस्करण है जिसकी रेंज कम-से-कम 750 किलोमीटर है।

यह भी जानें:- के-मिसाइल समूह मुख्य रूप से पनडुब्बी द्वारा लॉन्च की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें हैं जिन्हें डीआरडीओ ने विकसित किया है।

■ बोंगोसागर

भारतीय नौसेना और बांग्लादेशी नौसेना के बीच द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'बोंगोसागर' के दूसरे संस्करण का आयोजन 03 अक्टूबर, 2020 को बंगाल की खाड़ी में किया गया। इसका उद्देश्य व्यापक समुद्री अभ्यास एवं संचालन के माध्यम से अंतर-संचालन एवं संयुक्त परिचालन कौशल विकसित करना है। बोंगोसागर नौसैनिक अभ्यास का पहला संस्करण वर्ष 2019 में आयोजित किया गया था। विकास संगठन द्वारा स्वदेशी तरीके से विकसित किया गया है। इस मिसाइल समूह से संबंधित मिसाइलों का नाम डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया है जो भारत के मिसाइल एवं अंतरिक्ष कार्यक्रमों के नेतृत्वकर्त्ता थे।

■ परिशुद्ध खेती

परिशुद्ध कृषि (Precision Agriculture), कृषि प्रबंधन के लिए एक दृष्टिकोण है जो सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फसलों एवं मिट्टी को वही मिलता है जो उन्हें इष्टतम स्वास्थ्य एवं उत्पादकता के लिए चाहिए। परिशुद्ध कृषि का लक्ष्य पर्यावरण की लाभप्रदता, स्थिरता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना है। परिशुद्ध कृषि को उपग्रह कृषि और साइट-विशिष्ट फसल प्रबंधन के रूप में भी जाना जाता है।

चर्चा में क्यों:- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (Indian Agricultural Research Institute- ICAR) की ओर से 5 अक्टूबर, 2020 को 'वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (वैभव) शिखर सम्मेलन-2020' के भाग के रूप में 'परिशुद्ध खेती' पर चर्चा की गई।

■ ब्रह्मोस मिसाइल

सतह-से-सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का ओडिशा में एकीकृत परीक्षण रेंज, बालासोर से 30 सितम्बर, 2020 को सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और रूस के संघीय राज्य एकात्मक उद्यम 'एनपीओ माशिनोस्त्रोएनिया' (NPO Mashinostroyenia-NPOM) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है जो रूस का एक प्रमुख एयरोस्पेस उद्यम है। वहीं, 18 अक्टूबर, 2020 को अरब सागर में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के एक नौसैनिक संस्करण का नौसेना के स्वदेशी रूप से निर्मित स्टील्थ विध्वंसक 'आईएनएस चेन्नई' से सफल परीक्षण किया गया।

यह भी जानें:- ब्रह्मोस मध्यम दूरी की रैमजेट सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे पनडुब्बियों, युद्धपोतों, लड़ाकू जेट या जमीन से लॉन्च किया जा सकता है। ब्रह्मोस लैंड-अटैक क्रूज मिसाइल (BrahMos Land&Attack Cruise Missile- LACM) की अधिकतम गति मैक 2.8 है। इस मिसाइल का वजन लगभग 2.5 टन है और इसकी मारक क्षमता लगभग 300 किमी. है। इसकी लक्ष्य भेदन क्षमता अचूक है, इसलिए इसे 'दागो और भूल जाओ' मिसाइल भी कहा जाता है। यह परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के पहले संस्करण को वर्ष 2005 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

■ 'रुद्रम' एंटी-रेडिएशन मिसाइल का परीक्षण

भारत ने 9 अक्टूबर, 2020 को ओडिशा के बालासोर में सुखोई-30 लड़ाकू विमान से एंटी-रेडिएशन मिसाइल 'रुद्रम' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यह हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है जिसे रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। न्यू जनरेशन एंटी-रेडिएशन मिसाइल (रुद्रम-1) भारतीय वायु सेना के लिए DRDO द्वारा विकसित भारत की पहली स्वदेशी एंटी-रेडिएशन मिसाइल है।

एंटी-रेडिएशन मिसाइलों को दुश्मन देश की रडार, संचार परिसंपत्तियों एवं अन्य रेडियो आवृत्ति स्रोतों का पता लगाने, ट्रैक करने और उनको बेअसर करने के लिए डिजाइन किया जाता है। लड़ाकू विमानों से लॉन्च की जाने वाली मिसाइल मापदंडों के आधार पर रुद्रम की ऑपरेशनल रेंज 100 किमी. से अधिक है।

■ आईएनएस कवरत्ती

भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे द्वारा 22 अक्टूबर, 2020 को स्वदेशी तकनीक से निर्मित पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत 'आईएनएस कवरत्ती' को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

यह प्रोजेक्ट-28 के तहत 'गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स' (Garden Reach Shipbuilders and Engineers-GRSE) निर्मित चार स्वदेशी युद्धपोतों में से चौथा व अंतिम युद्धपोत है। इस युद्धपोत की लंबाई 109 मीटर, चौड़ाई 14 मीटर और वजन 3300 टन है तथा यह चार डीजल इंजनों से संचालित होता है। यह युद्धपोत रडार से बचने की क्षमता से लैस है जिससे प्रतिद्वंद्वी सेना द्वारा आसानी से इस युद्धपोत का पता नहीं लगाया जा सकता। इस युद्धपोत को परमाणु, रासायनिक और जैविक युद्ध स्थितियों में लड़ने के लिए स्वदेशी अत्याधुनिक उपकरणों तथा प्रणालियों से सुसज्जित किया गया है।

■ नाग का अंतिम परीक्षण

'रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन' (DRDO) ने 22 अक्टूबर, 2020 को पोखरण फायरिंग रेंज में तीसरी पीढ़ी के एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' का अंतिम परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इस परीक्षण के पूरा होने के बाद 'नाग' मिसाइल का उत्पादन शुरू किया जा सकेगा। इस मिसाइल का उत्पादन रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम 'भारत डायनामिक्स लिमिटेड' द्वारा किया जाएगा।

यह भी जानें:- नाग DRDO द्वारा स्वदेशी तकनीक से विकसित तीसरी पीढ़ी की एक टैंकभेदी मिसाइल है। इसका विकास DRDO के 'एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम' के तहत किया गया है। यह मिसाइल 'दागो और भूल जाओ' श्रेणी के अंतर्गत आती है। यह मिसाइल सभी मौसमों में दिन और रात के समय समान क्षमता के साथ 500 मीटर से लेकर 4 किमी. की दूरी पर स्थित लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेद सकती है।

■ स्लीनेक्स-2020

भारतीय नौसेना और श्रीलंकाई नौसेना के बीच संयुक्त वार्षिक द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास 'स्लीनेक्स-20' का 8वां संस्करण श्रीलंका के त्रिंकोमाली में 19 से 21 अक्टूबर, 2020 के बीच आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य परस्पर अंतर-संचालनशीलता को बढ़ाना, आपसी समझ को और ज्यादा परिपक्व करना तथा दोनों नौसेनाओं के बीच बहुआयामी समुद्री संचालन के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं तथा प्रक्रियाओं का आदान-प्रदान करना है।

■ एमएसीएस 6478

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के तहत एक स्वायत्त संस्थान 'आगरकर अनुसंधान संस्थान' के वैज्ञानिकों ने गेहूं की किस्म एमएसीएस 6478 विकसित की है। इससे महाराष्ट्र के किसानों की फसल पैदावार दोगुनी हो गई है।

❑❑❑

5 आर्थिक घटनाक्रम

■ सचिन तेंदुलकर पेटीएम के ब्रांड एम्बेसडर

डिजिटल वित्तीय सेवा प्लेटफार्म 'पेटीएम' की सहायक कम्पनी पेटीएम फर्स्ट गेम्स ने 14 सितम्बर, 2020 को क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को अपना ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है।

■ कारोबारी सुगमता रैंकिंग

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री ने सितम्बर, 2020 में व्यापार सुधार कार्य योजना (Business Reform Action Plan-BRAP) के तहत कारोबारी सुगमता के आधार पर राज्यों की रैंकिंग के चौथे संस्करण (वर्ष 2019 के लिए) की घोषणा की। रैंकिंग में आन्ध्रप्रदेश ने पहला व उत्तरप्रदेश ने दूसरा तथा तेलंगाना ने तीसरा स्थान पाया है।

रैंकिंग में स्थान पाने वाले शीर्ष 10 राज्य :- आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, गुजरात।

यह भी जानें:- BRAP के आधार पर राज्यों की रैंकिंग तय करने का कार्य वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। व्यापार सुधार कार्य योजना (2018-19) में कारोबार की स्थितियां बेहतर बनाने के लिए 180 मुख्य मानक तय किए गए हैं जिनमें 12 व्यावसायिक विनियामक क्षेत्र जैसे- सूचना तक पहुंच, एकल खिड़की प्रणाली, श्रम एवं पर्यावरण आदि शामिल हैं। कारोबारी सुगमता के मामले में प्रदर्शन के आधार पर राज्यों की रैंकिंग तय करते समय स्वस्थ्य प्रतिस्पर्द्धा एवं बड़े स्तर पर निवेश आकर्षित करने का उद्देश्य हासिल करने का प्रयास किया गया है।

■ ईज 2.0 सूचकांक

केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा 'ईज 2.0 बैंकिंग सुधार सूचकांक' में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सितम्बर, 2020 में सम्मानित किया गया। सूचकांक में 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंकों' में पहले तीन स्थानों पर क्रमश: बैंक ऑफ बड़ौदा, भारतीय स्टेट बैंक और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स (पंजाब नेशनल बैंक में विलय से पूर्व) को सम्मानित किया गया।

'सुधार दर्ज करने' की श्रेणी में शीर्ष के तीन बैंकों में 'बैंक ऑफ महाराष्ट्र', 'सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया' और कॉर्पोरेशन बैंक (यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय से पूर्व) को क्रमश: पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

ईज 2.0 में 6 विषयों (जिम्मेदार बैंकिंग, ग्राहक जवाबदेही, उदयममित्र के रूप में पीएसबी, गहन वित्तीय समावेशन, ऋण वितरण प्रशासन एवं एचआर) को शामिल किया गया था।

■ निर्यात तैयारी सूचकांक पर रिपोर्ट

नीति आयोग ने प्रतिस्पर्धात्मकता संस्थान की साझेदारी में निर्यात तैयारी सूचकांक-2020 पर अपनी रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य चुनौतियों और अवसरों को पहचानना, सरकारी नीतियों की प्रभावोत्पादकता को बढ़ाना और एक सुविधाजनक नियामकीय संरचना को प्रोत्साहित करना है।

टॉप टेन राज्य:- 1.गुजरात, 2. महाराष्ट्र, 3. तमिलनाडु, 4. राजस्थान, 5. ओडिशा, 6. तेलंगाना, 7. हरियाणा, 8. छत्तीसगढ़, 9. कर्नाटक, 10. केरल

निम्नतम स्थान प्राप्त राज्य :- 1. जम्मू-कश्मीर, 2. लक्षद्वीप, 3. दमन और दीव, 4. ओडिशा, 5. कर्नाटक

■ वैश्विक आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक-2020

कनाडा के 'फ्रेजर इंस्टीट्यूट' द्वारा दुनिया में कारोबार के वातावरण के खुलेपन को लेकर 10 सितम्बर, 2020 को 'वैश्विक आर्थिक स्वतंत्रता सूचकांक-2020' जारी किया है। 162 देशों को लेकर 'Economic Freedom of the World-2020' शीर्षक से जारी इस सूचकांक में भारत गत वर्ष के मुकाबले 26 स्थान नीचे खिसककर 105वें स्थान पर पहुंच गया है।

शीर्ष स्थान पाने वाले देश :-

देश	रैंक
♦ हांगकांग	1
♦ सिंगापुर	2
♦ न्यूजीलैंड	3
♦ स्विट्जरलैंड	4
♦ अमेरिका	5
♦ ऑस्ट्रेलिया	6
♦ मॉरीशस	7
♦ जॉर्जिया	8
♦ कनाडा	9
♦ आयरलैंड	10

निम्नतम स्थान प्राप्तकर्ता देश:- मध्य अफ्रीकी गणराज्य, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, जिम्बाब्वे, रिपब्लिक ऑफ कांगो, अल्जीरिया, ईरान, अंगोला, लीबिया, सूडान, वियतनाम।

■ ऑपरेशन ट्विस्ट

आरबीआई द्वारा 'ऑपरेशन ट्विस्ट' (Operation Twist) के तहत 20,000 करोड़ रुपए की राशि की विशेष 'खुला बाजार परिचालन' (OMO) के माध्यम से सरकारी प्रतिभूतियों (G-Sec) की खरीद और बिक्री की गई। 'ऑपरेशन ट्विस्ट' के अंतर्गत केंद्रीय बैंक दीर्घ अवधि के सरकारी ऋण पत्रों को खरीदने के लिए अल्पकालिक प्रतिभूतियों की बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग करता है, जिससे लंबी अवधि के ऋणपत्रों पर ब्याज दरों के निर्धारण में आसानी होती है। इसमें 10,000 करोड़ रुपए की दो समान अंश राशि के शामिल हैं। प्रथम अंश 10 सितम्बर, 2020 को और दूसरी अंश राशि 17 सितम्बर, 2020 की जारी की गई। इससे पूर्व में 27 अगस्त को आरबीआई द्वारा विशेष 'खुला बाजार परिचालन' का प्रयोग किया गया था, जिसमें 10,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री एक साथ की गई थी।

■ फोर्ब्स सूची : मुकेश भारत के सबसे धनी

वाणिज्यिक पत्रिका फोर्ब्स इंडिया की ओर से 7 अक्टूबर, 2020 को जारी भारत के सर्वाधिक धनी व्यक्तियों की सूची में मुकेश अम्बानी (88.7 अरब डॉलर) को प्रथम स्थान पर रखा गया है। वहीं, महिलाओं की श्रेणी में जिंदल समूह की सावित्री जिंदल (6.6 अरब डॉलर) को शीर्ष स्थान प्रदान किया गया है। ओवरऑल श्रेणी में वे 19वें स्थान पर हैं।

भारत के दस सर्वाधिक धनी:-

रैंक	व्यक्ति	नेटवर्थ (अरब डॉलर)
1.	मुकेश अम्बानी	88.7
2.	गौतम अडानी	25.23
3.	शिव नडार	20.4
4.	राधाकृष्ण धामानी	15.4
5.	हिन्दुजा ब्रदर्स	12.8
6.	साइरस पूनावाला	11.5
7.	पलोनजी मिस्त्री	11.4
8.	उदय कोटक	11.3
9.	गोदरेज फैमिली	11.0
10.	लक्ष्मी मित्तल	10.3

■ एम. राजेश्वर राव

भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक एम. राजेश्वर राव को 7 अक्टूबर, 2020 को RBI का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया गया है। राव RBI के चौथे डिप्टी गवर्नर के तौर पर एन. एस. विश्वनाथन की जगह लेंगे। वर्तमान में शक्तिकांत दास RBI के गवर्नर हैं।

■ दिनेश कुमार खारा

केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 7 अक्टूबर, 2020 को दिनेश कुमार खारा को भारतीय स्टेट बैंक का चेयरमैन नियुक्त किया है। उन्हें रजनीश कुमार के स्थान पर नियुक्त किया गया है। रजनीश ने 06 अक्टूबर, 2020 को कार्यकाल पूरा किया था। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार दिनेश कुमार खारा का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा।

■ उपभोक्ता मूल्य सूचकांक : आधार वर्ष में परिवर्तन

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने अक्टूबर, 2020 में वर्ष 2016 के आधार पर औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-IW) की नई श्रृंखला जारी की है। यह श्रृंखला आधार वर्ष 2001=100 को वर्ष आधार 2016=100 के साथ प्रतिस्थापित करेगी। भविष्य में इस सूचकांक के आधार वर्ष में प्रत्येक पांच वर्ष बाद परिवर्तन किया जाएगा।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक :- CPI का उपयोग आधार वर्ष के संदर्भ में कुछ चयनित वस्तुओं और सेवाओं के खुदरा मूल्यों के स्तर में समय के साथ बदलाव को मापने के लिए किया जाता है, जिस पर एक परिभाषित उपभोक्ता समूह द्वारा अपनी आय खर्च की जाती है। थोक मूल्य सूचकांक (WPI) में उत्पादक स्तर पर मुद्रास्फीति की गणना की जाती है, वहीं CPI में उपभोक्ता के स्तर पर कीमतों में होने वाले परिवर्तन को मापने का प्रयास किया जाता है।

■ गरीबी और साझा समृद्धि रिपोर्ट, 2020

विश्व बैंक 7 अक्टूबर, 2020 को 'पॉवर्टी एंड शेयर प्रॉस्पेरिटी' शीर्षक से रिपोर्ट जारी की है। विश्व बैंक ने चेताया है कि कोविड-19 के कारण वर्ष 2021 तक तकरीबन 150 मिलियन लोग 'अत्यंत गरीबी' की श्रेणी में आ सकते हैं। वैश्विक मंदी के परिणामस्वरूप विश्व की लगभग 1.4 प्रतिशत जनसंख्या 'अत्यंत गरीब' की श्रेणी में आ सकती है। विश्व बैंक के अनुसार, प्रतिदिन 1.90 अमेरिकी डॉलर से कम आय स्तर पर जीवन-यापन करने की स्थिति को 'अत्यंत गरीबी' के रूप में परिभाषित किया गया है। ❑❑❑

6 खेल जगत्

टेनिस

■ यूएस ओपन

यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में 31 अगस्त-13 सितम्बर, 2020 के बीच किया गया। यूएस ओपन सत्र का चौथा और आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है लेकिन फ्रेंच ओपन के स्थगित होने और विम्बलडन के रद्द होने के कारण यह इस सत्र का दूसरा ग्रैंड स्लैम था।

ये रहे विजेता:-

- **पुरुष एकल-**
  विजेता - डोमिनिक थिएम (ऑस्ट्रिया)
  उपविजेता - अलेक्जेंडर ज्वेरेव (जर्मनी)
- **महिला एकल-**
  विजेता - नाओमी ओसाका (जापान)
  उपविजेता- विक्टोरिया एजारेंका (बेलारूस)
- **पुरुष युगल**
  विजेता- मैट पाविक (क्रोएशिया) व ब्रूनो सोआरेस (ब्राजील)
  उपविजेता- वेस्ले कूलहॉफ (नीदरलैंड्स) व निकोल मेक्टिक (क्रोएशिया)
- **महिला युगल**- विजेता - लौरा सीजेमुंड (जर्मनी) व वेरा जोनारेवा (रूस)
  उपविजेता - जू यिफान (चीन) व निकोल मेलिचार (अमेरिका)
- **मिश्रित युगल** - इस बार यह स्पर्धा रद्द की गई।

सुमित नागल:- भारत के सुमित नागल पिछले सात वर्षों में ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स मुकाबले में मुख्य ड्रॉ में मैच जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि यूएस ओपन में हासिल की।

■ इटालियन ओपन

इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन 14-21 सितम्बर, 2020 को इटली के रोम में किया गया।

- **पुरुष एकल**
  विजेता - नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
  उपविजेता - डिएगो श्वार्ट्जमैन (अर्जेंटीना)
- **महिला एकल**
  विजेता - सिमोना हालेप (रोमानिया)
  उपविजेता - कैरोलिना प्लिस्कोवा (चेक गणराज्य)
- **पुरुष युगल**
  विजेता -मार्सेल ग्रैनोलर्स(स्पेन) होरासियो जेबालोस (अर्जेन्टीना)
  उपविजेता-जेरेमी चार्डी (फ्रांस) फैबरिस मार्टिन (फ्रांस)
- **महिला युगल**
  विजेता- सीह सु-वेई (चीनी ताइपे) व बारबोरा स्ट्रीकोवा (चेक गणराज्य)
  उपविजेता- एना लेना फ्रीडसैम (जर्मनी) व रालुका ओलारू (रोमानिया)

■ फेड कप का नाम अब 'बिली जीन किंग कप'

महिलाओं के अन्तरराष्ट्रीय टूर्नामेंट 'फेड कप' का नाम परिवर्तित कर 'बिली जीन किंग कप' रखा गया है। अन्तरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने 17 सितम्बर, 2020 को इस सम्बन्ध में आधिकारिक जानकारी प्रदान की। यह नाम परिवर्तन अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बिली जीन किंग के सम्मान में किया गया है।

यह भी जानें:-फेड कप की शुरुआत वर्ष 1963 में हुई थी। यह महिलाओं का सबसे बड़ा टेनिस टूर्नामेंट है।

■ फ्रेंच ओपन

फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट का आयोजन 27 सितम्बर-11 अक्टूबर, 2020 के बीच पेरिस के रोलां गैरो स्टेडियम में किया गया।

- **पुरुष एकल**
  विजेता - राफेल नडाल (स्पेन)
  उपविजेता - नोवाक जोकोविच (सर्बिया)
- **महिला एकल**
  विजेता - इगा स्वातेक (पोलैण्ड)
  उपविजेता - सोफिया केनिन (अमेरिका)
- **पुरुष युगल**
  विजेता-केविन क्राविएत्ज (जर्मनी) व आंद्रियास मीएस (जर्मनी)
  उपविजेता-मेट पेविक (क्रोएशिया) व ब्रुनो सोआरेस (ब्राजील)
- **महिला युगल**
  विजेता - टिमिया बोबोस (हंगरी) व क्रिस्टीना म्लादेनोविच (फ्रांस)
  उपविजेता - एलेक्सा गुआराची (चिली) व देसिरे क्रैवस्जीक (अमेरिका)

मिश्रित युगल - इस बार यह स्पर्धा रद्द की गई।

शतरंज

■ 48वां वर्ल्ड ओपन ऑनलाइन टूर्नामेंट

भारतीय ग्रैंडमास्टर पी. इनियन ने वर्ल्ड ओपन ऑनलाइन टूर्नामेंट-2020 का खिताब जीता है। प्रतियोगिता का आयोजन 7-9 अगस्त, 2020 के बीच किया गया, जिसमें 16 देशों के 31 ग्रैंडमास्टर्स सहित 122 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

■ फिडे शतरंज ओलम्पियाड: भारत-रूस विजेता

फिडे ऑनलाइन शतरंज ओलम्पियाड का आयोजन 24 जुलाई से 30 अगस्त, 2020 के बीच किया गया। प्रतियोगिता में भारत और रूस को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया। भारत ने पहली बार यह खिताब जीता है।

■ जूनियर स्पीड ऑनलाइन शतरंज चैम्पियनशिप

भारत के निहाल सरीन ने 10 अक्टूबर, 2020 को चेन्नई में खेले गए फाइनल में रूस के एलेक्सी सराना को हराकर चेस डॉट कॉम की 2020 जूनियर स्पीड ऑनलाइन शतरंज चैम्पियनशिप का खिताब जीता।

■ एशियन नेशंस ऑनलाइन चैम्पियनशिप

25 अक्टूबर, 2020 को सम्पन्न हुए एशियाई (क्षेत्रीय) ऑनलाइन शतरंज चैम्पियनशिप में भारतीय महिला टीम ने इण्डोनेशिया को पराजित कर खिताब जीता। वहीं, भारतीय पुरुष टीम को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

निशानेबाजी

■ शेख रसेल इंटरनेशनल एयर राइफल चैम्पियनशिप

बांग्लादेश शूटिंग स्पोर्ट फैडरेशन की ओर से 'शेख रसेल इंटरनेशनल एयर राइफल चैम्पियनशिप' का आयोजन 18 अक्टूबर, 2020 को किया गया। प्रतियोगिता में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत की इलावेनिल वलारिवन ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं, पुरुषों की स्पर्धा में शाहू तुषार ने रजत पदक जीता।

बैडमिंटन

■ डेनमार्क ओपन

डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 13-18 अक्टूबर, 2020 के बीच डेनमार्क के ओडेंस में किया गया।

- **पुरुष एकल**

  विजेता - एण्डर्स एंटोन्सन (डेनमार्क)

  उपविजेता - रैसमस गेम्के (डेनमार्क)

- **महिला एकल**

  विजेता - नोजोमी ओकुहारा (जापान)

  उपविजेता - कैरोलिना मारिन (स्पेन)

- **पुरुष युगल**

  विजेता-मार्कस एलिस (इंग्लैंड) व क्रिस लैंगारिज (इंग्लैंड)

  उपविजता - व्लादिमीर इवानोव (रूस) व इवान सोजोनोव (रूस)

- **महिला युगल**

  विजेता - युकी फुफुशिमा (जापान) व सयाका हिरोटा (जापान)

  उपविजता-मयू मात्सुमोतो (जापान) व वकाना नागाहारा (जापान)

- **मिश्रित युगल**

  विजेता- मार्क लम्सफन (जर्मनी) व इसाबेल हेट्रिंच (जर्मनी)

  उपविजेता - क्रिस (इंग्लैंड) व गैबी एडकॉक (इंग्लैंड)

फार्मूला वन रेस

■ बेल्जियम ग्रैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'बेल्जियम ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन 30 अगस्त, 2020 को बेल्जियम के स्टेवेलोट में किया गया।

विजेता - लुईस हैमिल्टन (यूके), मर्सिडीज टीम

द्वितीय - वाल्टेरी बोट्टास (फिनलैंड), मर्सिडीज टीम

■ इटालियन ग्रैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'इटालियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन 6 सितम्बर, 2020 को इटली के मोंजा में किया गया।

विजेता - पियरे गैस्ली (फ्रांस), अल्फा टोरी होंडा टीम

द्वितीय - कार्लोस सेंज जूनियर (स्पेन), मैक्लॉरेन रेनाल्ट टीम

■ टस्कन ग्रैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'टस्कन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन 13 सितम्बर, 2020 को इटली के मुगेलो सर्किट में किया गया।

विजेता - लुईस हैमिल्टन (यूके), मर्सिडीज टीम

द्वितीय - वाल्टेरी बोट्टास (फिनलैंड), मर्सिडीज टीम

■ रशियान ग्रैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'रशियन ग्रैंड प्रिक्स' का आयोजन 27 सितम्बर, 2020 को रूस के सोची में किया गया।

विजेता - वाल्टेरी बोटास (फिनलैंड), मर्सिडीज टीम

द्वितीय - मैक्स वर्सटाप्पेन (नीदरलैंड्स), रेडबुल टीम

फार्मूला वन रेस 'ईफेल ग्रैंड प्रिक्स' का आयोजन 11 अक्टूबर, 2020 को जर्मनी के नरब्रगिंग सर्किट में किया गया।

विजेता - लुईस हैमिल्टन (यूके), मर्सिडीज टीम

द्वितीय - मैक्स वर्सटाप्पेन (नीदरलैंड्स), रेडबुल टीम

■ पुर्तगाली ग्रैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'पुर्तगाली ग्रैंड प्रिक्स' का आयोजन 25 अक्टूबर, 2020 को पुर्तगाल के अल्गार्व इंटरनेशनल सर्किट में किया गया।

विजेता - लुईस हैमिल्टन (यूके), मर्सिडीज टीम

द्वितीय - वाल्टेरी बोटास (फिनलैंड), मर्सिडीज टीम

चर्चित खिलाड़ी

■ अली खान

अमेरिका के तेज गेंदबाज अली खान इण्डियन प्रीमियर लीग (IPL) में शामिल होने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं। अली खान को कोलकाता नाइट राइडर्स ने हैरी गर्नी के स्थान पर टीम में शामिल किया है।

■ क्रिस्टियानो रोनाल्डो

फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो सितम्बर, 2020 में 100वां अन्तरराष्ट्रीय गोल करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। क्रिस्टियानो ने पुर्तगाल की ओर से स्वीडन के विरुद्ध खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले ईरान के अली डेई (109 अंतरराष्ट्रीय गोल) ही इस आंकड़े को छू सके हैं।

■ पूनम खत्री

15वीं वुशू विश्व चैम्पियनशिप में पूनम खत्री द्वारा जीता गया रजत पदक अब स्वर्ण पदक में तब्दील हो गया है। हरियाणा निवासी पूनम महिलाओं के 75 किग्रा भारवर्ग में ईरान की मरियम से फाइनल हार गई थी, लेकिन हाल ही में मरियम के डोप टेस्ट में फेल होने के कारण पूनम खत्री को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है।

❑❑❑

7 पत्रिकाओं से... योजना/ कुरूक्षेत्र सार

योजना

सांस्कृतिक विविधता

■ **छाया कठपुतली नाटक की परम्पराएं**

छाया कठपुतलियों की परम्परा ओडिशा, केरल, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में छाया कठपुतली नाटक से जुडी छह शैलियां हैं। उन्हें स्थानीय तौर पर इस तरह जाना जाता है- महाराष्ट्र में चमाद्याचा बाहुल्य, आन्ध्रप्रदेश में थोलू बोम्मलाटा, कर्नाटक में तोगालु गोमबेयाट्टा, तमिलनाडु में टोलु बोम्मलाट्टम, केरल में तोलपव कुथु, ओडिशा में रावणछाया। आन्ध्रप्रदेश में किलेकायत/अरे कपू समुदाय, कनार्टक में किलेकायत/ दायत समुदाय, केरल में नायर समुदाय, महाराष्ट्र में ठक्कर समुदाय, ओडिशा में भाट समुदाय तथा तमिलनाडु में किलेकायत समुदाय के लोग इससे जुड़े हैं।

■ **भारतीय संगीत का दार्शनिक स्वरूप**

भारतीय संगीत की उत्पत्ति वैदिक स्त्रोतों और मंत्रों के उच्चारण में देखी जा सकती है। छांदोग्य उपनिषद् में गान (संगीत विधाएं) की सात शैलियों का उल्लेख है जिसमें वैदिक मंत्रों के स्वर के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। इस उपनिषद् में आगे कहा गया है कि सभी स्वरों की आत्मा मुख्य वैदिक देव इन्द्र हैं। वैदिक युग में बाद भारतीय कला विधाओं का सबसे प्राचीन संकलन नाट्यशास्त्र है। इसे 200 बी.सी.ई. से 200 सी.ई. के बीच संकलित किया गया था। ऐसा माना जाता है कि ऋषि भरत मुनि ने ऋग से वाणी, साम से संगीत, यजुर से अभिनय और अथर्ववेद से भाव को एकीकृत करके नाट्य की सृजना की। यह संगीत के वैदिक विज्ञान गंधर्व वेद की उत्पत्ति थी। 10वीं शताब्दी सी.ई. के आस-पास मौजूद वेदों के अनुष्ठानिक जाप और प्रदर्शन कलाओं की गायन शैली से जुड़ी एक अन्य विशेषता पर कश्मीर के आचार्य अभिनवगुप्त ने गौर किया। उन्होंने कर्मकाण्डी गंधर्व और कलुषित ध्रुव-गण के अंतर का उल्लेख किया है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत के रागों के आरंभिक संदर्भों में से एक बौद्ध ग्रन्थ सूत्रों में पाया जा सकता है। तिब्बत से प्राप्त 10वीं शताब्दी की चार्यगीत (प्रदर्शन गीत) की पांडुलिपि में से जो 8वीं शताब्दी सी.ई. के महासिद्ध सराहपा से सम्बद्ध है, शास्त्रीय संगीत रागों जैसे भैरवी और गुर्जरी का उल्लेख मिलता है। भारत और नेपाल के हिमालयी क्षेत्र के विभिन्न भागों में जहां महायान-वज्रयान बौद्ध धर्म प्रचलित है, चार्यगीत और नृत्य के सूत्रों का पाठ और प्रदर्शन आज भी चलन में है। भारत के दक्षिणी भाग में एक लोकप्रिय प्रदर्शन शैली प्रबंध गान 11वीं से 16वीं शताब्दी के बीच विद्यमान थी।

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में असम के सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास में 15वीं-16वीं शताब्दी में वैष्णव परम्परा की एक महान विभूति संत-विद्वान, शंकरदेव के प्रयासों से सांस्कृतिक सुधार हुआ और अतीत की परम्पराओं को पुनर्जीवित किया गया। उन्होंने संगीत (बोरगीत) और नृत्य (सत्रिया) के नए रूप ईजाद किए।

गुरु ग्रंथ साहिब में शास्त्रीय संगीत के इक्तीस रागों की स्वरलिपि को अपेक्षित विवरणों के साथ दिया गया है।

बहुवाद और अनन्यवाद का समावेश:-नाट्यशास्त्र में उत्तर भारत की संगीत शैली को 'उदिच्य' के रूप में उल्लेखित किया गया है जबकि दक्कन क्षेत्र में प्रचलित शैलियों को आंध्रिय कहा गया है।

खयाल संगीत का उद्भव:-हिन्दुस्तान संगीत की खयाल शैली का विकास 17वीं शताब्दी सी.ई. के लगभग माना जाता है। इसकी लोकप्रियता मुगल साम्राज्य के पतन और हिंदी साहित्य में रीति (रूमानी) कविता के उदय के साथ परवान चढ़ी। खयाल शैली जो कि इसके पूर्ववर्ती ध्रुपद नाम शास्त्रीय संगीत की शाखा थी, उन गणिकाओं के लिए विशेष रूप से उपयुक्त थी, जो अपने मेहानों के मनोरंजन के लिए शास्त्रीय संगीत और नृत्य को प्रदर्शित करने के साथ-साथ संरक्षित करती थी, लेकिन दुनियावी रूप में।

रागमाला : दृश्य कला और शास्त्रीय संगीत:-दृश्य कला और कविता के साथ शास्त्रीय संगीत के समामेलन का एक उत्कृष्ट उदाहरण मध्यकालीन भारत की चित्रकला श्रृंखला रागमाला (संगीत विधाओं की माला) की उत्पत्ति थी। यह भारतीय लघु चित्रकला की एक शैली थी, जिसमें विभिन्न भारतीय संगीत विधाओं या रागों का चित्रण किया गया था।

पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर ने 'रघुपति राघव राजा राम' का मूल गीत गाया था। उन्होंने वर्ष 1901 में गंधर्व महाविद्यालय की स्थापना की थी।

■ पूर्वोत्तर क्षेत्र : अनुपम आत्मीय संबंध

वर्तमान में पूर्वोत्तर क्षेत्र में बसी 4.54 करोड़ आबादी (2001 की जनगणना के अनुसार) जातीय, भाषाई और सांस्कृतिक विविधता से पूर्ण है। क्षेत्र की 68 प्रतिशत से अधिक आबादी असम में निवास करती है, वहीं सबसे कम अरुणाचल प्रदेश में है। असम को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में मुख्य रूप से पहाड़ी इलाके शामिल हैं। असम में देश से सबसे ज्यादा हथकरघे हैं, जो मुख्यतः रेशम उन्मुख रहे हैं। असम मूगा या सुनहरे रेशम के लिए प्रसिद्ध है। असम की बोडो, रभा डिमासा और कार्बी भाषाएं, मेघालय की गारो, त्रिपुरा की कोकबोरोक और अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम और मणिपुर की पहाड़ियों में बोली जाने वाली अधिकांश भाषाएं चीनी-तिब्बती भाषा परिवार की तिब्बती-बर्मी उपशाखा से संबंधित है। दूसरी ओर असमी नव इंडो-आर्यन परिवार से है, जबकि खासी मेघालय में बोली जाने वाली एक मोन ख्मेर (ऑस्ट्रो-एशियाटिक) भाषा है। सिक्किम में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाएं नेपाली, भोटिया और लेपचा हैं। बिहू असम का सबसे लोकप्रिय त्योहार है। मेघालय में खासी लोग 'शाद सुक माइनसिएम' का जश्न मनाते हैं, जयन्तिया बेहदियेनखाम और गारो वड्गाला मनाते हैं। मिजोरम के तीन त्योहार चपचर कुट, मिम कुट और पवल कुट कृषि से संबंधित हैं, जिनके दौरान मिजो लोग बांस नृत्य चेवर करते हैं। मणिपुर में चेइराओबा मणिपुरी नववर्ष का त्योहार है। रोंघखली या टाइगर फेस्टिवल मेघालय के वार जयंतिया क्षेत्र में नोंगतालंग गांव के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला त्योहार है। नगालैंड के फेक जिले में बसे मुलुओरी की पोचुरी नगा जनजाति द्वारा नाझू पर्व मनाया जाता है। दूसरी ओर पूर्वोत्तर के नृत्य रूपों में से मणिपुर के मणिपुरी और असम के सत्रिया को देश के शास्त्रीय नृत्य शैलियों का गौरव प्राप्त है। सत्रिया नृत्य का आरंभ 15वीं शताब्दी के असमिया संत-सुधारक शंकरदेव ने किया था।

सोवा-रिग्पा:-यह प्राचीन भारतीय चिकित्सा प्रणाली है जिसे भगवान बुद्ध ने परिकल्पित किया और बाद में यह सम्पूर्ण हिमालय पार क्षेत्र में फैली। सोवा-रिग्पा को भारत, भूटान, मंगालिया और तिब्बत की सरकारों द्वारा पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के रूप में मान्यता प्राप्त है। मूल चिकित्सा ग्रन्थ 'ग्युद जी' के पुरोगामी भगवान बुद्ध थे। सोवा-रिग्पा के मूलभूत सिद्धान्त जुंग-वा-न्गा (पंचभूत), नेस्पा-सुम (त्रिदोष), लस-संग-दुन (सप्तधातु) आदि पर आधारित है।

■ विविधता से परिपूर्ण महाराष्ट्र

भारत में महाराष्ट्र एक ऐसा प्रदेश है जहां सबसे अधिक संख्या में गुफाएं हैं। एलिफेंटा, अजंता और एलोरा की गुफाएं यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल हैं। महाराष्ट्र में करीब 800 गुफाएं विभिन्न जिलों में फैली हैं, लेकिन इनमें से अजंता स्थित 32 गुफाएं अपनी वास्तुकला संबंधी भव्यता, विरासत और कलात्मक कृतियों के कारण विशिष्ट रूप से अलग हैं। अजंता की गुफा 16, 17, 1 और 2 बचे हुए प्राचीन भित्ति चित्रों का सबसे बड़ा संग्रह है। ऐलोरा 1500 वर्ष पहले राष्ट्रकूट वंश के समय की है। यहां 100 से ज्यादा गुफाएं चरणंद्री पहाड़ियों में बेसॉल्ट चीनी मिट्टी की चट्टानों से खुदाई करके निकली हैं, जिनमें से 34 जनता के लिए खुली हैं। दुनिया की सबसे बड़ी चट्टान को काटकर बनाई गई गुफा 16 में भगवान शिव को समर्पित कैलाश मंदिर है। एलोरा से 40 किमी दूर महाराष्ट्र की सतमाला पहाड़ी श्रृंखला में स्थित पीतलखोरा गुफाओं में 14 चट्टानों को काटकर बने गुफा स्मारक हैं, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व की हैं। बौद्ध धर्म के इतिहास को जानने के लिए मुम्बई के बाहरी इलाके के आस-पास की कन्हेरी गुफाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं। भजा, करला, बेदसे, पांडवलेनी, लेन्याद्री, मनमोदी और शिवनेरी गुफाएं अपनी वास्तुकला, मूर्तिकला और पेंटिंग के लिए प्रसिद्ध हैं।

वार्ली पेंटिंग:-यह उन आदिवासियों की कला है जो मुख्य रूप से ठाणे जिले के दहानु, तालसेरी, जौहर, पालघर मोखदा और विक्रमगढ़ में निवास करते हैं। वार्ली पेंटिंग में केवल सफेद रंग का उपयोग किया जाता है।

पिंगुली चित्रकथी:-सिंधुदुर्ग में कुडाल के नजदीक पिंगुली गांव की ठक्कर जनजाति 17वीं शताब्दी से पिंगुली चित्रकथी का अभ्यास कर रही है। इसमें एक ग्रंथमाला का अनुसरण किया जाता है और यह महाभारत और रामायण की कहानियों पर आधारित है।

भित्ति चित्र:-भित्ति चित्र कला की एक शैली है जो घरों या मंदिरों की दीवारों पर धार्मिक विषयों को दर्शाती है।

जड़ीपट्टी:-जड़ीपट्टी रंगमंच कला का अभ्यास चावल की खेती वाले क्षेत्र/पूर्वी क्षेत्र में किया जाता है जिसमें चंद्रपुर

भंडार और विदर्भ का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इन क्षेत्रों में गोंड, कोरकू और पारधी जनजातियां रहती हैं और जड़ीपट्टी का जन्म डांडर जनजातीय कला से हुआ, जिसमें संगीत और नृत्य के संयोजन में थियेटर जैसा अभिनय देखने को मिलता है।

दशावतार:-दशावतार महाराष्ट्र के दक्षिण कोंकण क्षेत्र और गोवा के उत्तरी गोवा जिले के सिंधुदुर्ग जिले में कृषकों के बीच प्रचलित लोक रंगमंच है। इसमें संगीत के तीन वाद्ययंत्र होते हैं-पैडल हारमोनियम, तबला और जंज (झांझ)।

रणमाले:-रणमाले रामायण और महाभारत की पौराणिक कहानियों पर आधारित लोक रंगमंच है। इसे होली के त्योहार के दौरान प्रस्तुत किया जाता है, जिसे गोवा और कोंकण क्षेत्रों में शिगमो (बसंत ऋतु के त्योहार) के रूप में मनाया जाता है।

■ मोटे अनाज की संस्कृति

भारत में मोटे अनाज को अप्रेल, 2018 से 'पोषक अनाज' के रूप में अधिसूचित किया है। वर्ष 1965-66 में मोटे अनाज का खेती क्षेत्र करीब 37 मिलियन हेक्टेयर था, जो वर्ष 2016-17 में घटकर 14.72 मिलियन हेक्टेयर रह गया है।

भारत सरकार के आग्रह पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने वर्ष 2023 को अन्तरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष के रूप में घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

■ नृत्य से सामंजस्य

भारत में लोक नृत्य की समृद्ध विरासत है। संगीत नाटक अकादमी द्वारा आठ प्रकार के शास्त्रीय नृत्यों (भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कथक, मोहिनीअट्टम, कथकली, सत्रिया, ओडिसी और मणिपुरी) को मान्यता दी गई है। रवींद्रनाथ टैगोर की प्रमुख कृति 'चंडालिका' को कई कलाकारों ने विभिन्न नृत्यों में पेश किया है।

राज्य और शास्त्रीय नृत्य :-

1. कुचिपुड़ी नृत्य - आन्ध्रप्रदेश। कुचिपुड़ी नृत्य से जुड़े लोगों को 'भगवतुलु' कहा जाता है, क्यों कि उनके नृत्य-नाटकों में भगवान विष्णु के बारे में बताया जाता है। ऐसे नृत्य में भागवत पुराण की कथाओं का वर्णन होता है। राजा और राधा रेड्डी ने कुचिपुड़ी नृत्य को नए अंदाज में पेश किया है।

2. भरतनाट्यम - यह तमिलनाडु की 2000 साल पुरानी परम्परा है। भरतनाट्यम में रुक्मिणी देवी अरुंडेल ने प्रसिद्धि पाई है।

3. कथकली - केरल। इस नृत्य में संगीत और अभिनय का मिश्रण होता है। इसमें पौराणिक कथाओं को नाटकीय तरीके से पेश किया जाता है। कलामंडलम् गोपी कथकली के प्रसिद्ध कलाकार हैं।

4. सत्रिया - असम। इस नृत्य में पौराणिक शिक्षाओं को दिलचस्प तरीके से पेश किया जाता है।

5. मोहिनीअट्टम - केरल। इसे महिलाएं पेश करती हैं। यह अपनी बारीक मुद्राओं और भंगिमाओं के लिए प्रसिद्ध है।

6. मणिपुरी - मणिपुर। यह भक्ति नृत्य है जिसमें सृष्टि के सृजनकर्ता के बारे में बताया जाता है। झावेरी बहनों ने इस नृत्य को लोकप्रिय बनाने में काफी भूमिका निभाई है।

7. ओडिसी - ओडिशा। इसमें प्रेम, ईश्वर और अध्यात्म की झलक देखने को मिलती है। केलूचरण महापात्रा ने 20वीं सदी में ओडिसी नृत्य को पहचान दी है।

8. कथक - यह उत्तर भारत की लोकप्रिय नृत्य शैली है। इसमें हिन्दू और मुसलमान की प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलता है। लखनऊ कालका बिंदादीन घराने से जुड़े बिरजू महाराज ने कथक शैली को काफी समृद्ध किया।

■ पारंपरिक नाट्य मंच

1. भांड-पाथर - कश्मीर का पारंपरिक नाट्य। इसमें हंसने और हंसाने को प्राथमिकता दी गई है। इसमें नगाड़ा और ढोल का प्रयोग किया जाता है।

2. स्वांग - स्वांग की दो शैलियां (रोहतक और हाथरस) है। रोहतक शैली हरियाणवी (बांगरू) भाषा और हाथरसी शैली ब्रज भाषा में है।

3. नौटंकी - यह उत्तर प्रदेश से संबंधित है। इसकी कानपुर, लखनऊ तथा हाथरस शैलियां प्रसिद्ध हैं।

4. रासलीला - इसमें भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का अभिनय होता है। ऐसी मान्यता है कि रासलीला संबंधी नाटकों की सर्वप्रथम रचना नंददास द्वारा की गई थी।

5. भवाई - यह गुजरात और राजस्थान की पारंपरिक नाट्यशैली है। इसका विशेष स्थान कच्छ-काठियावाड़ माना जाता है। इसमें भुंगल, तबला, ढोलक, बांसुरी, पखावज, रबाब, सारंगी, मंजीरा आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है।

6. जात्रा - देवपूजा के निमित्त आयोजित मेलों, अनुष्ठानों आदि से जुड़े नाट्यगीतों को 'जात्रा' कहा जाता है। यह मूल रूप से बंगाल में पला-बढ़ा है। इसमें श्री चैतन्य के प्रभाव से कृष्णा जात्रा काफी लोकप्रिय हो गया।

7. माच - यह मध्यप्रदेश का पारंपरिक नाट्य है। माच में पद्य की अधिकता होती है। इसके संवादों को बोल तथा छंदों को वणग कहते हैं। इसकी धुनों को रंगत कहा जाता है।

8. भाओना - यह असम के अंकिया नाट्य की प्रस्तुति है।

9. तमाशा - यह महाराष्ट्र की पारंपरिक नाट्यशैली है। इसमें नृत्य क्रिया की प्रमुख प्रतिपादिका स्त्री कलाकार होती है। वह 'मुरकी' कहलाती है।

10. दशावतार - यह कोंकण व गोवा क्षेत्र का अत्यंत विकसित नाट्स रूप है। इसमें प्रस्तोता भगवान विष्णु के दस अवतारों को प्रस्तुत करते हैं।

11. कृष्णाट्टम - यह केरल का लोकनाट्य है। यह आठ नाटकों का वृत्त है, जो क्रमागत रूप में आठ दिन तक प्रस्तुत किया जाता है।

12. मुडियेट्टु - केरल का यह लोकनाट्य उत्सव वृश्चिकम् (नवम्बर-दिसम्बर) में मनाया जाता है। दारिका असुर पर भद्रकाली की विजय को चित्रित करता यह नाट्य प्रायः काली माता के मंदिरों में प्रदर्शित किया जाता है।

13. कुटियाट्टम - यह केरल का सर्वाधिक प्राचीन लोकनाट्य है। हस्तमुद्राओं तथा आंखों के संचलन पर बल देने के कारण यह नृत्य एवं नाट्य रूप विशिष्ट बन जाता है।

14. यक्षगान - यह कर्नाटक का पारंपरिक नाट्य है। इसके लोकप्रिय कथानक महाभारत से लिए गए हैं।

15. तेरुक्कुत्तु - यह तमिलनाडु में लोकप्रिय है। यह मुख्यतः मारियम्मदन और द्रौपदी अम्मा के वार्षिक मंदिर उत्सव के समय प्रस्तुत किया जाता है।

■ भारत की लोक और जनजातीय कला

भारत की सर्वाधिक प्रसिद्ध लोक चित्रकलाएं हैं- बिहार की मधुबनी चित्रकारी, ओडिशा की पत्तचित्र, आन्ध्रप्रदेश की निर्मल चित्रकारी।

तंजौर कला - तंजावर चित्रकारी, जिसे अब तंजौर चित्रकारी कहते हैं राजस्थान, गुजरात और बंगाल में ये कला रूप स्थान विशेष के वीरों और देवताओं की पौराणिक कथाएं सुनाती है। इनका विषय मूलतः पौराणिक है। चेन्नई से 300 किमी दूर तंजावुर में शुरू हुई यह कला चोल साम्राज्य के राज्यकाल में ऊंचाई पर पहुंची।

मधुबनी चित्रकारी - मधुबनी चित्रकारी, जिसे मिथिला की कला भी कहा जाता है, की विशेषता चटकीले और विषम रंगों से भरे गए रेखाचित्र अथवा आकृतियां हैं। इस चित्रकारी में खनिज रंजकों का प्रयोग किया जाता है। चित्रों में हिन्दू देवी-देवताओं के प्रसंगों का चित्रण किया जाता है। खाली स्थानों को फूल-पत्तियों, पशु, पक्षियों के चित्रों से भरा जाता है।

वार्ली - महाराष्ट्र अपनी 'वार्ली' लोक चित्रकला के लिए प्रसिद्ध है। वार्ली महाराष्ट्र की जनजाति है जो मुम्बई शहर के उत्तरी ब्रह्मांचल में बसी है। 1970 के प्रारंभ में पहली बार वार्ली कला के बारे में पता चला। इस चित्रकारी का प्रयोग वार्ली जनजाति के लोग अपने कच्चे घरों की दीवारों को सजाने में करते हैं। लिपि का ज्ञान नहीं होने के कारण लोक साहित्य को आम लोगों तक पहुंचाने का यही एक साधन था। ये साधारण सी मिट्टी के बेस पर सफेद रंग से की गई चित्रकारी है।

पत्ताचित्र चित्रकारी - यह ओडिशा की सबसे प्राचीन कला है। यह कैनवास पर की गई चित्रकारी है। इसमें अधिकांश पौराणिक चित्र होते हैं।

राजस्थानी लघु चित्रकारी - भारत में लघु चित्रकारी की कला का प्रारम्भ मुगलों द्वारा किया गया, जो इस कला को फराज (पार्शिया) से लेकर आए थे। छठी शताब्दी में हुमायुं ने फराज से कलाकारों को बुलवाया था। अकबर ने इस कला को बढ़ावा देने के लिए शिल्पशाला बनवाई थी। भारतीय कलाकारों ने इस शैली से प्रभावित होकर अपनी एक नई तरह की शैली में चित्र तैयार किए, जिसे राजपूत या राजस्थानी लघु चित्र कहा जाता है। राजस्थान का किशनगढ़ प्रान्त 'बणी ठणी' चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध है। इसमें बड़ी-बड़ी आकृतियों का चित्रण किया जाता है।

कालमेजुथु - कालम (कालमेजुथु) कला का एक विचित्र रूप है जो केरल में दिखाई देता है। यह आनुष्ठानिक कला है जिसका प्रचलन केरल के मंदिरों और पावन उपवनों में काली देवी और भगवान के चित्र बनाए जाते हैं।

कुरूक्षेत्र

ग्रामीण अर्थव्यवस्था

■ **आत्मनिर्भर भारत अभियान से गांवों का कायाकल्प**

भारत मुख्य तौर पर एक ग्रामीण अर्थव्यवस्था है। इसकी दो-तिहाई आबादी और 70 प्रतिशत कार्यबल ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। नीति आयोग की 2017 की रिपोर्ट के मुताबिक देश की अर्थव्यवस्था में ग्रामीण इलाकों की हिस्सेदारी 46 प्रतिशत है। भारत में 49.7 करोड़ कामगार हैं, जिनमें 94 प्रतिशत निजी या असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 265 बिलियन डॉलर है जो कि सकल घरेलू उत्पाद का 17 प्रतिशत है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार का ज्यादा जोर असंगठित क्षेत्र पर है जो मुख्य तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। केन्द्र सरकार ने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज करने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की है।

2022 तक किसानों की आय दोगुनी करना :- केन्द्र सरकार ने साल 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की रणनीति तैयार करने के लिए सरकार ने 26 जनवरी, 2019 को अंतर-मंत्रालय कमेटी का गठन किया है। कमेटी ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए निम्न सात स्रोतों की पहचान की है-

कृषि क्षेत्र में :- 1. फसलों के उत्पादन में बढ़ोतरी, 2. पशुओं की संख्या में बढ़ोतरी, 3. उत्पादन लागत में संसाधनों/बचत का बेहतर इस्तेमाल, 4. एक साल में ज्यादा से ज्यादा फसल तैयार करने पर जोर, 5. ऊंची कीमत वाली फसलों का विविधीकरण, 6. किसानों को मिलने वाली कीमत में बढ़ोतरी।

कृषि क्षेत्र के बाहर :- कृषि सम्बद्ध कार्यों की तरफ बढ़ना (जैसे पोल्ट्री फार्म, बकरी पालन, मछली पालन, डेयरी, फल-सब्जियां, खाद्य प्रसंस्करण), जिनसे बेहतर रिटर्न मिल सके।

आत्मनिर्भर भारत अभियान:- केन्द्रीय वित्तमंत्री ने 13 मई से लेकर 17 मई, 2020 तक पांच चरणों में इस अभियान का ऐलान किया। इसके तहत कुछ विशेष प्रावधान किए गए, जो निम्न हैं-

1. 25,000 करोड़ की कर्ज सीमा के साथ 25 लाख नए किसाने क्रेडिट कार्ड को मंजूरी दी गई।

2. मार्च 2020 से अप्रेल 2020 के दौरान कृषि क्षेत्र में 86,000 करोड़ के तकरीबन 63 लाख कर्ज को मंजूरी दी गई।

3. ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास फंड के तहत मार्च 2020 के दौरान राज्यों को ग्रामीण आधारभूत संरचना के क्षेत्र में 4,200 करोड़ रुपए की सहायता राशि दी गई।

4. लघु, छोटे और मंझोले उद्योगों के लिए 3 लाख करोड़ की इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम का ऐलान किया गया।

5. मुद्रा योजना में शिशु लोन के तहत 2 प्रतिशत सालाना ब्याज पर एक साल के लिए कर्ज दिया जाएगा। इस मद में 1,500 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

6. मनरेगा के तहत मजदूरी की दर बढ़ाकर 202 रुपए (पहले 182 थी) कर दी गई है। इससे करीब 13.62 करोड़ परिवारों को फायदा होगा।

7. प्रधानमंत्री किसान योजना के जरिए 8.7 करोड़ किसानों के खाते में दो-दो हजार रुपए ट्रांसफर किए गए।

8. सरकार ने 200 करोड़ रुपए तक की सरकारी खरीद के लिए जारी होने वाली निविदा में विदेशी कंपनियों की बोली पर रोक लगा दी है।

आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़ी सरकारी योजनाएं-

1. कॉयर उद्यमी योजना :- यह कॉयर इकाई स्थापित करने के लिए क्रेडिट लिंक वाली सब्सिडी योजना है। ऐसी परियोजनाओं की लागत 10 लाख रुपए तक हो सकती है।

2. कौशल विकास और महिला कॉयर योजना :- इस योजना का मकसद घरेलू और विदेशी बाजारों का विकास, कौशल विकास और प्रशिक्षण, महिलाओं का सशक्तीकरण, रोजगार/उद्यमिता का विकास, कच्चे माल का बेहतर उपयोग, कॉयर कर्मियों के लिए सुविधाएं मुहैया कराना है। महिला कॉयर योजना का मकसद उचित कौशल प्रशिक्षण के बाद सब्सिडी पर कताई से जुड़े उपकरण उपलब्ध करवाकर महिलाओं को सशक्त बनाना है।

3. प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम :- यह योजना दो योजनाओं का मिला-जुला रूप है-प्रधानमंत्री रोजगार योजना और ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम।

4. प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण):- इस योजना का मकसद ग्रामीण इलाकों में सभी के लिए घर मुहैया करवाना है। इसके तहत कच्चे और जर्जर मकानों में रह रहे लोगों के लिए वर्ष 2022 तक बुनियादी सुविधाओं से लैस पक्का मकान मुहैया कराना है।

5. दीनदयाल अंत्योदय योजना :- इसका मकसद शहरी गरीबों के जीवन को बेहतर बनाना है। इसके तहत कौशल विकास के जरिए आजीविका के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को मिलाकर बनाई गई है।

6. उजाला योजना :- वर्ष 2015 में शुरू हुई इस योजना के तहत सस्ती कीमत पर एलईडी बल्ब मुहैया कराए जाते हैं। इसका मकसद बिजली की खपत कम करना है।

7. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना :- यह कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की फ्लैगशिप योजना है। इसका मकसद ग्रामीण और शहरी युवाओं को उद्योग आधारित कौशल प्रशिक्षण मुहैया कराना है। करीब 1 करोड़ युवाओं को फायदा पहुंचाने के मकसद से इस योजना को और 4 वर्षों (2016-2020) के लिए मंजूरी दी गई है।

8. आयुष्मान भारत :- यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना है। इसका मकसद 10 करोड़ से भी ज्यादा गरीब और कमजोर परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा महैया कराना है।

9. स्फूर्ति :- पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित और अपग्रेड करने के लिए फंड (स्फूर्ति) योजना का उद्देश्य कलस्टर आधारित विकास को बढ़ावा देने के लिए सामान्य सुविधा केन्द्र स्थापित करना है, जिसमें बांस, शहद और खादी पर विशेष ध्यान देने की बात है।

10. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना :- इसका मकसद अगले 5 वर्षों में 20,000 करोड़ के निवेश से मछली का उत्पादन 2.20 करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंचाना है।

■ एमएसएमई : देश की आर्थिक रीढ़

सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योग (एमएसएमई) मंत्रालय की 2018-19 की सालाना रिपोर्ट बताती है कि देश में 6.33 करोड़ से ज्यादा एमएसएमई हैं।

एमएसएमई का नया पैमाना :- केन्द्र सरकार ने MSMEs की परिभाषा में परिवर्तन सम्बन्धी अधिसूचना 3 जून, 2020 को जारी की।

निवेश व टर्नओवर का नया स्लैब :-

श्रेणी	निवेश पहले	टर्नओवर पहले	निवेश अब	टर्नओवर अब
सूक्ष्म	25 लाख	10 लाख	1 करोड़	5 करोड़
लघु	5 करोड़	2 करोड़	10 करोड़	50 करोड़
मध्यम	10 करोड़	4 करोड़	50 करोड़	250 करोड़

■ अन्य प्रमुख तथ्य

गरीब कल्याण रोजगार अभियान :- गरीब कल्याण रोजगार अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून, 2020 को की। इस योजना का मूल उद्देश्य यह है कि जो श्रमिक कोरोना महामारी के चलते अपने गांव लौटे है, उनको रोजगार मिले। यह अभियान कुल 5000 करोड़ रुपए का है जिसे मिशन मोड अभियान के तहत 6 राज्यों (बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड और ओडिशा) के 116 जिलों में 125 दिनों तक चलाया जाएगा।

रूर्बन मिशन :- 'श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन' का उद्देश्य स्थानीय आर्थिक विकास की संभावनाओं को तलाशना और उनका विकास करना है। इसके तहत 300 ग्रामीण विकास समूहों का निर्माण कर शहर व गांवों के बीच के आर्थिक व तकनीकी अंतर को समाप्त करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश को आकर्षित करना है।

खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य :- कृषि मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 के लिए खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 298.3 मिलियन टन है, जबकि 2019-20 में यह 291.95 मिलियन टन और 2018-19 में 285.20 मिलियन टन था।

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (सांख्यिकी मंत्रालय) की वर्ष 2018 में जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार देश में करीब 6 करोड़ लघु उद्योग है, जिनमें 12 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना :- 20 हजार करोड़ रुपए की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की घोषणा बजट में की गई थी, लेकिन कोरोना संकट को देखते हुए सरकार ने इसे तत्काल लागू करने का ऐलान किया। अगले 5 वर्षों में 70 लाख टन अतिरिक्त मत्स्य उत्पादन के लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य के साथ शुरू की गई इस योजना से 55 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

कृषि अनुसंधान

■ कृषि अवसंरचना निधि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 अगस्त, 2020 को एक लाख करोड़ रुपए की कृषि अवसंरचना निधि के तहत वित्तपोषित सुविधा की नई योजना आरंभ की। यह योजना समुदाय कृषक परिसंपत्तियों के निर्माण तथा फसल उपरान्त कृषि अवसंरचना में किसानों, पैक्स, एफपीओ, कृषि उद्यमियों की सहायता करेगी। कार्यक्रम के दौरान पीए ने लगभग 8.5 करोड़ किसानों को 17000 करोड़ रुपए की पीए-किसाना योजना के तहत छठी किस्त भी जारी की। इस योजना के तहत 01 दिसम्बर, 2018 को शुरुआत से अब तक 10 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 90,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।

कृषि अवसंरचना निधि ब्याज माफी तथा ऋण गारंटी के जरिए फसल उपरांत प्रबंधन अवसंरचना एवं सामुदायिक कृषि परिसम्पत्तियों के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश के लिए एक मध्यम-दीर्घकालिक कर्ज वित्तपोषण सुविधा है। इस योजना की अवधि वित्त वर्ष 2020 से 2029 (दस वर्ष) होगी।

■ कृषि अनुसंधान से कृषि क्षेत्र का कायाकल्प

जुलाई, 2019 में प्रधानमंत्री ने 'भारतीय कृषि के कायाकल्प' के लिए मुख्यमंत्रियों की एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की। इस समिति में सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सहित नीति आयोग के सदस्य को शामिल किया गया। सरकार ने वर्ष 2020-21 के बजट में कृषि व संबंधित गतिविधियों, सिंचाई और ग्रामीण विकास के लिए 2.83 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

देश में कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 16 जुलाई, 1929 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की स्थापना की गई थी। इसके अन्तर्गत देशभर में 102 अनुसंधान संस्थान और 71 कृषि विश्वविद्यालय काम कर रहे हैं।

बागवानी क्षेत्र:- बागवानी उत्पादन में भारत पहले स्थान पर है। किसानों की आय दोगुनी करने के उपायों हेतु 2018 में बनी समिति की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2022-23 तक बागवानी उत्पादन का स्तर 45.1 करोड़ टन तक पहुंच जाएगा।

मात्स्यिकी क्षेत्र:- 1.34 करोड़ टन उत्पादन के साथ भारत का मात्स्यिकी क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

■ भारत की सशक्त कृषि अनुसंधान प्रणाली

संपूर्ण कृषि उत्पादन में भारत का विश्व में दूसरा स्थान है, जबकि दूध, दालों और जूट के उत्पादन में भारत शिखर पर है। फलों और सब्जियों के उत्पादन में देश ने हाल ही में दूसरा स्थान हासिल किया है। धान, गेहूं, गन्ना, कपास और मूंगफली के उत्पादन में भारत का दूसरा स्थान है। मछली उत्पादन में भी भारत ने दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया है।

नींव से नेटवर्क तक:- ब्रिटिश सरकार ने 1880 में 'अकाल आयोग' का गठन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत की कृषि दशा को संकट से उबारने के उपाय बताना था। लार्ड कर्जन ने भारत में एक समग्र कृषि अनुसंधान संस्थान की स्थापना का निर्णय किया। सन् 1905 में बिहार के दरभंगा जिले में 'इंपीरियल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट' की स्थापना हुई, जिसे देश के पहले कृषि अनुसंधान संस्थान और कॉलेज के रूप में मान्यता प्राप्त हुई। यह संस्थान बाद में 'पूसा' के नाम से विख्यात हुआ। 1934 में भूकम्प से भवन के प्रभावित होने के कारण इसे दिल्ली में स्थानांतरित करने का निर्णय किया गया। वर्तमान में यह संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है।

सन् 1889 में पुणे में स्थापित 'इंपीरियल बैक्टीरियोलॉजिकल लेबोरेटरी' बाद में मुक्तेश्वर में स्थानांतरित हुई। आज यह 'भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान' के नाम से विख्यात है। अब इसका मुख्य परिसर इज्जतनगर, बरेली में है। इसी प्रकार बंगलोर में सन् 1923 में 'इम्पीरियल इंस्टीट्यूट ऑफ एनीमल हस्बैंड्री एंड डेयरिंग' की स्थापना हुई जो अब करनाल में 'राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान' के नाम से विख्यात है।

फसल विज्ञान और बागवानी अनुसंधान:- 1954 में देश में 'भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली' के वनस्पति विज्ञान विभाग में बागवानी अनुसंधान के लिए एक अलग सेक्शन खोला गया, जिसके साथ ही बागवानी अनुसंधान की शुरुआत हुई। देश में कृषि जीडीपी में बागवानी का योगदान 30.4 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

पशु विज्ञान और मात्स्यिकी:- राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पशुपालन क्षेत्र का योगदान लगभग 6 प्रतिशत आंका गया है, जबकि कृषि जीडीपी में यह योगदान 25 प्रतिशत है। डेयरी विकास हेतु करनाल में 1955 में

'राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान' की आधारशिला रखी गई। विश्व में भैंस का पहला क्लोन विकसित करने का श्रेय इसी संस्थान को है।

■ कृषि अनुसंधान : उपलब्धियां और चुनौतियां

भारत में आबादी का करीब 65 प्रतिशत हिस्सा आज भी आजीविका के लिए कृषि और सम्बद्ध क्षेत्रों पर निर्भर है।

निरंतर बढ़ता उत्पादनः- वर्ष 2019-20 के लिए अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन 29.567 करोड़ टन है और आगामी वर्ष के लिए यह लक्ष्य 29.8 करोड़ टन रखा गया है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2020 के लिए बागवानी फसल उत्पादन का लक्ष्य 32.048 करोड़ टन रखा गया है।

उन्नत कृषि तकनीकें और उनका प्रभावः-

समन्वित कृषिः- वैज्ञानिकों द्वारा विकसित यह खेती की एक ऐसी प्रणाली है जिसमें फसल उत्पादन के साथ अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु के अनुसार पशुपालन अथवा बागवानी या मछली पालन जैसे कार्य भी साथ-साथ किए जा सकते हैं।

फसल विविधताः- मृदा उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार नाइट्रोजन उर्वरकों पर बिना अतिरिक्त खर्च के संभव हो सका।

संरक्षित कृषिः- उपलब्ध संसाधनों का भरपूर प्रयोग करते हुए जलवायु की प्रतिकूल स्थितियों में भी कई फसलों वर्ष के दौरान ली जा सकती हैं। इनमें खासतौर पर बेमौसमी सब्जियां शामिल हैं। संसाधनों प्रयोग दक्षता के कारण बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन जैसे जल के अलावा अन्य आदानों की बचत के साथ कृषकों के लिए खुशहाली का संदेश भी लाने में यह कृषि प्रणाली सफल रही है।

जैविक खेतीः- बिना रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के पैदा किए गए कृषि उत्पादों को जैविक उत्पाद कहा जाता है। वैज्ञानिकों द्वारा तय मानदंडों के अनुसार ही इन फसलों को उगाया जाता है। ये पोषण की दृष्टि से लाभदायक होन के साथ विभिन्न प्रकार के रसायनों से भी मुक्त होते हैं। इसके अलावा ये मृदा की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में प्रभावी रूप से मददगार होते हैं।

टपक सिंचाई प्रणालीः- इस प्रणाली का विकास खेतों में सिंचाई के दौरान पानी की बर्बादी को रोकने, जल संरक्षण तथा कृषकों की इस मद पर होने वाली लागत में उल्लेखनीय कमी लाने के उद्देश्य से किया गया है।

■ स्मार्ट कृषि के लिए उन्नत कार्यप्रणालियां

स्मार्ट उर्वरकः- स्मार्ट उर्वरक नए प्रकार के उर्वरक हैं जो सूक्ष्मजीवों और नैनो पदार्थों के आधार पर तैयार किए जाते हैं। नियंत्रित निर्गमन और/या वाहक/वितरण प्रणाली पर बल देने के साथ नैनो प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट उर्वरक विकास पौधों की मांगों के अनुरूप पोषक तत्वों की उपलब्ध ता को संतुलित करेंगे, जिससे पोषक तत्वों की क्षति कम होगी। पोषक तत्व उपयोग क्षमता में वृद्धि से फास्फोरस की मात्रा आधी से एक-चौथाई हो जाती है और पैदावार 10 प्रतिशत बढ़ जाती है। स्मार्ट उर्वरक से सूक्ष्म पोषक तत्वों की मात्र में 90 प्रतिशत तक की कमी आती है।

लीफ कलर चार्टः- लीफ कलर पौधे की नाइट्रोजन स्थित का अच्छा संकेतक है पत्ती की क्लोरोफिल मात्रा और रंग में परिवर्तन के माध्यम से फसल की आवश्यकता अनुसार नाइट्रोजन की आपूर्ति का मिलान करके इसके उपयोग को अनुकूलित किया जा सकता है फिलीपींस स्थित 'अन्तरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान' द्वारा विकसित लीफ कलर चार्ट किसानों की मदद कर सकता है क्यों कि पत्ती के रंग की गहनता चावल के पौधे में नाइट्रोजन की स्थिति से संबंधित है।

खरपतवार और कीट प्रबंधन की नवीन पद्धतियांः-

नए खरपतवारनाशीः- कुछ पोस्ट एमरजेंस खरपतवारनाशक जैसे दालों और तिलहन में प्रयुक्त इमैजेथेपयर, फेनोक्सप्रॉप-पी-इथाइल, सायहेलोफोप ब्यूटाइल, क्विजालोफोप इथाइल और क्लोडिनाफॉप-प्रोपरगिल, मक्का में टेम्बोट्रायोन, चावल में पाइराजोसल्फ्यूरोन इथाइल, क्लोरिम्यूरोनिथाइल + मेट्सल्फ्यूरॉन मिथाइल, गेहूं में क्लोडिनाफोप + मेट्सल्फ्यूरॉन मिथाइल, व्यापक रूप से चौड़े पत्ते वाले और घास वाले खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बहुत प्रभारी पाया जाता है।

खरपतवारनाशक प्रतिरोधी फसलेंः- अधिकांश खरपतवारनाशक प्रतिरोधी जीएम फसलों (मक्का, सोयाबीन, कपास) को ग्लाइफोसेट झेलने के लिए संरचित किया गया है, लेकिन अब जीएफ फसलों को 2, 4 डी, डाईकेम्बा, ग्लूफोसिनेट, ग्लाइफोसेट, सल्फोनील्यूरिया, ऑक्सिनिल, मेसोट्रायोन और आइसोक्सफ्लुटोल के प्रतिरोध के लिए विकसित किया गया है।

उन्नत संसाधन संरक्षण कार्य प्रणालियां:-

रेजड बेड प्लांटिंग:- रेजड बेड प्लांटिंग का अर्थ है फसलों (गेहूं, मक्का, अरहर और बागवानी फसलों) को ज्यामितीय पंक्तियों में उगाना और नाली सिंचाई व्यवस्था के साथ एक मल्टी क्रॉप रेजड बेड प्लांटर का उपयोग करके ऊपर उठाई क्यारियों में लगाना।

संरक्षण जुताई:- संरक्षण जुताई द्वारा की जाने वाली खेती फसल उगाने का वह तरीका है जिसमें मिट्टी को छेड़े बिना जीरो-टिल प्लांटर/ड्रिल का उपयोग करके जुताई की जाती है। यह मिट्टी में रिसने वाले जल की मात्रा को बढ़ाता है और मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ अवधारण क्षमता बढ़ाने के साथ पोषक तत्वों के चक्रण को बढ़ाता है।

■ बागवानी फसलों का मूल्यवर्धन

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग देश के कुल खाद्य बाजार का लगभग 32 प्रतिशत हिस्सा है और उत्पादन, खपत, निर्यात और अपेक्षित वृद्धि के मामले में 5वें स्थान पर हैं। वर्ष 2020 तक यह व्यापार 480 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। यह उद्योग देश के विनिर्माण जीडीपी में 14 प्रतिशत, निर्यात में 13 प्रतिशत और कुल औद्योगिक निवेश में 6 प्रतिशत योगदान देता है।

देश में सूखे फूलों का उद्योग 200 करोड़ रुपए है। इस उद्योग में 20 देशों को सूखे फूलों की 500 किस्मों का निर्यात होता है जिनकी सबसे अधिक मांग अमेरिका एवं इंग्लैंड के बाजार में है। भारत सूखे फूलों का एक प्रमुख निर्यातक देश है जो विश्व के 5 प्रतिशत सूखे फूलों का व्यवसाय करता है।

बागवानी फसलों के प्रसंस्करण संबंधित अनुसंधान संस्थान:- देश में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में बागवानी फसलों के उत्पादन एवं प्रसंस्करण पर अनुसंधान संस्थान स्थापित किए गए हैं। ऐसे ही प्रमुख अनुसंधान संस्थान हैं- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली, भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान बेंगलूरु, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान शिमला, केन्द्रीय शुष्क बागवानी अनुसंधान संस्थान बीकानेर, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी अनुसंधान संस्थान लखनऊ, केन्द्रीय शीतोष्ण बागवानी अनुसंधान संस्थान श्रीनगर, केन्द्रीय बागवानी फसल अनुसंधान संस्थान कसरगोड, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणीस आदि। इसके अतिरिक्त फल विशेष पर आधारित अनुसंधान केन्द्र भी है जैसे राष्ट्रीय सिट्रस अनुसंधान केन्द्र तिरुचिरापोली, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र मुजफ्फरपुर बिहार, राष्ट्रीय खुम्ब अनुसंधान केन्द्र सोलन, राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केन्द्र सोलापुर एवं काजू निदेशालय पुटूर कर्नाटक आदि।

■ अन्य महत्वूपर्ण तथ्य

- 'अर्का रक्षक' और 'अर्का सम्राट' टमाटर की रोग प्रतिरोधी किस्में हैं।
- वर्ष 2019 में 39 बिलियन डॉलर के वार्षिक कृषि निर्यात के साथ भारत आठवें स्थान पर रहा। 181 बिलियन डॉलर के साथ यूरोप पहले स्थान पर है।
- सन् 1960 में देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर में खोला गया।
- सरकार ने वर्ष 2020-21 में विपणन मौसम की खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्यों (एमएसपी) में अपेक्षाओं के अनुरूप वृद्धि की है। ये मूल्य, उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत से 83 प्रतिशत का मुनाफा जोड़कर निर्धारित किए गए हैं।
- हरितक्रांति -1960 में गेहूं (खाद्यान्न) को बढ़ावा देने के लिए। डॉ.एम.एस. स्वामीनाथन को श्रेय।
- नीली क्रांति - जल कृषि, जलीय जीव संवर्धन, मात्स्यिकी को बढ़ावा देने के लिए।
- श्वेत क्रांति - डेयरी विकास के लिए। वर्गीज कुरियन को श्रेय।
- पीली क्रांति - तिलहन पैदावार बढ़ाने के लिए।
- गोल्डन क्रांति - शहद उत्पादन बढ़ाने के लिए।
- सिल्वर क्रांति - पोल्ट्रीय उत्पादन बढ़ाने के लिए।
- मार्च, 2020 के आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल खेती योग्य जमीन (27.7 लाख हैक्टेयर) के करीब 1.8 प्रतिशत हिस्से में जैविक खेती हो रही है।
- नाबार्ड ने वर्ष 2016-17 में नाबार्ड अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण (NAFIS) आरंभ किया। सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया कि गैर कृषि परिवारों (NHA) की औसत मासिक आय 7269 रुपए है, जबकि कृषि घरों (HA) की औसत मासिक आय 8931 रुपए है।